mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-47 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
17 फरवरी 2025 सोमवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

विजय अभियान जारी...

@ पेज 7

नई दिल्ली स्टेशन भगदड़: किसी का दम फूला तो किसी की हड्डी पसली हुई एक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत और 25 से ज्यादा लोग घायल हो गए। भगदड़ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात

● अस्पताल से निकलकर सामने आया भगदड़ में दबे लोगों का हाल

करीब साढ़े 9 बजे हुई। जिसके बाद मृतकों को दिल्ली के ऋरूरु अस्पताल लाया गया। जो लोग घायल थे, उन्हें लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पतालों के सूत्रों के मुताबिक, घायलों और मृतकों का हाल जो बताया गया वह सुनकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

आइए सबसे पहले भगदड़ में घायल हुए लोगों का हाल जान लेते हैं। भगदड़ में दबे घायलों को स्न्छ्छक अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि ज्यादातर मरीजों के निचले अंग में चोट लगी है और कुछ को हड्डियों में चोट लगी है। चार लोग निगरानी में हैं और बाकी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। ज्यादातर मरीज फिलहाल स्थिर हैं। 15 डॉक्टरों की एक टीम घायल मरीजों की देखभाल कर रही है।

वहीं, भगदड़ में मरने वाले 18 लोगों का शव आरएमएल अस्पताल में लाया गया था। जहां अस्पताल के एक स्टाफ सूत्र ने बताया कि अस्पताल में लाए गए ज्यादातर शवों के सीने और पेट में चोटें थीं और उनकी दम घुटने से मौत हुई थी। मालूम हो कि, ये खौफनाक हादसा प्लेटफॉर्म नंबर 13, 14 और 15 के बीच हुआ। जहां महाकुंभ जाने के लिए स्टेशन पर शाम 4 बजे से ही भीड़ जुटने लगी थी। लोग अपना समान लेकर स्टेशन पर पहुंचने लगे थे। रात को करीब 8~30 बजे प्रयागराज जाने वाली 3 ट्रेनें लेट हो गई, जिसके बाद ट्रेन के इंतजार में स्टेशन पर इतनी भीड़ इकट्ठी हो गई कि गाड़ी का प्लटफॉर्म बदलते ही भगदड़ मच गई और भीड़ आउट ऑफ कंट्रोल हो गई।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ को लेकर दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा, विशेष सीपी रॉबिन हिब्बू, विशेष सीपी एलएंडओ रवींद्र यादव और संयुक्त सीपी विजय सिंह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रेलवे डीसीपी कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने दिल्ली पुलिस द्वारा तैयार की गई प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पर बैठक की। इधर, हादसे की जांच के लिए दो सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। जिसमें उत्तर रेलवे के दो अधिकारी नरसिंह देव और पंकज गंगवार को शामिल किया गया है। कमेटी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सभी ष्टष्टञ्जङ्क वीडियो फुटेज को सुरक्षित करने का आदेश दिया है।

संक्षिप्त समाचार

भारत में बड़े हमले करना चाहता था इस्लामिक स्टेट आतंकी संगठन

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। खूंखार आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट भारत में बड़े पैमाने पर हमले करना चाहता था, मगर मोदी सरकार की चौकसी के चलते वह ऐसा करने में असमर्थ रहा, लेकिन इसके आकाओं ने देश में स्थित समर्थकों के

माध्यम से 'लोन ऐक्टर' हमलों को अंजाम देने का प्रयास किया। यह सनसनीखेज रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र ने दी है। 'लोन ऐक्टर हमले' विचारधारा से प्रेरित हिंसा की घटनाएं होती है, जिसे ऐसे व्यक्तियों द्वारा अंजाम दिया जाता है, जो संगठित आतंकवादी समूहों का हिस्सा नहीं होते हैं या दूसरों के प्रत्यक्ष आदेशों का पालन नहीं करते हैं। आईएसआईएल (दाएश), अलकायदा और संबद्ध व्यक्तियों और संगठनों के संबंध में विश्लेषणात्मक सहायता एवं प्रतिबंध निगरानी दल की 35वीं रिपोर्ट के अनुसार, ये आतंकवादी समूह और सहयोगी संगठन बाहरी आतंकवाद-रोधी दबाव के कारण स्थिति को ध्यान में रखकर साजिशें रच रहे हैं। आईएसआईएल (इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट) एक आतंकवादी समूह है, जिसका लक्ष्य पश्चिम एशिया में ''खिलाफत'' स्थापित करना है। इस आतंकी संगठन को 'इस्लामिक स्टेट और दाएश' के नाम से भी जाना जाता है। यूएन की रिपोर्ट में कहा गया है, ''आईएसआईएल (दाएश) भारत में बड़े पैमाने पर हमले करने में असमर्थ रहा।

भारत-ओमान ने व्यापार और निवेश में लिया नया संकल्प

मस्कट (एजेंसी)। भारत और ओमान के बीच दोस्ती अब एक नए मुकाम पर पहुंचने वाली है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को अपने ओमान के समकक्ष बद्र अलबुसैदी के साथ व्यापार, निवेश और ऊर्जा सुरक्षा में द्विपक्षीय सहयोग पर व्यापक चर्चा की है। इससे दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में बड़े समझौते किए जाने पर सहमति बनने के आसार हैं।

बता दें कि विदेश मंत्री एस जयशंकर आठवें हिंद महासागर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ओमान की राजधानी मस्कट पहुंचे हैं। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज सुबह ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी से मिलकर बहुत खुशी हुई। (मैं) आठवें हिंद महासागर सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी करने में उनके व्यक्तिगत प्रयासों की सराहना करता हूं।'' उन्होंने लिखा, '' व्यापार, निवेश और ऊर्जा पर परस्पर सहयोग पर हमने व्यापक चर्चा की।'' बता दें कि भारत और ओमान के राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे हो गए हैं। ऐसे में दोनों नेताओं ने राजनयिक संबंधों की 70 वीं वर्षगांठ पर संयुक्त रूप से प्रतीक चिह्न जारी किया। उन्होंने 'मांडवी टू मस्कट~ इंडियन कम्युनिटी एंड शेयर्ड हिस्ट्री ऑफ इंडिया एंड ओमान' नामक एक पुस्तक का भी संयुक्त रूप से विमोचन किया। ओमान सरकार का कहना है कि अगस्त 2024 में उसके देश में रह रहे भारतीयों की संख्या करीब 664,783 है।

नषाद पार्टी के नेता ने संजय निषाद और उनके बेटों पर आरोप लगाने के बाद की सुसाइड, कैबिनेट मंत्री का सामने आया रिएक्शन

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद पर बड़ा आरोप लगा है। निषाद पार्टी के नेता धर्मात्मा निषाद ने फेसबुक पर लंबी पोस्ट लिखने के बाद सुसाइड कर ली है। सुसाइड नोट में धर्मात्मा निषाद ने सुसाइड का सबसे बड़ा कारण डॉ संजय निषाद और उनके बेटों प्रवीण निषाद और विधायक श्रवण कुमार निषाद को बताया है।

धर्मात्मा निषाद ने लिखा है कि संजय निषाद और उनके बेटों ने उनके खिलाफ षड़्यंत्र किए और झूठे मुकदमे में फंसाने की कोशिश की। धर्मात्मा निषाद महराजगंज के पनियरा के रहने वाले थे और निषाद पार्टी के प्रदेश सचिव भी रह चुके थे। धर्मात्मा निषाद ने आज सुबह पनियरा के नरकटहा में अपने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

धर्मात्मा निषाद ने लिखा कि मैं अपनी जिंदगी की लड़ाई हार गया। यह आखिरी संदेश है। आज बहुत कुछ सोचने समझने के बाद मैंने यह फैसला लिया है कि यह दुनिया मेरे किसी काम की नहीं है। मैंने अपनी क्षमता के हिसाब से जितना लोगों की मदद कर सकता था, उतना मदद करने का प्रयास किया और कई बार तो अपनी क्षमता के ऊपर भी जाकर लोगों की मदद की। इसके कारण मेरे हजारों राजनैतिक और सामाजिक दुश्मन बनें, फिर भी मैंने समाज के शोषित, वंचित, और निर्बलों की आवाज को बुलंद करने का काम लगातार जारी रखा।

भगदड़ के बाद रेलवे का बड़ा फैसला

नई दिल्ली के एक ही प्लेटफार्म से जाएंगी सभी प्रयागराज स्पेशल

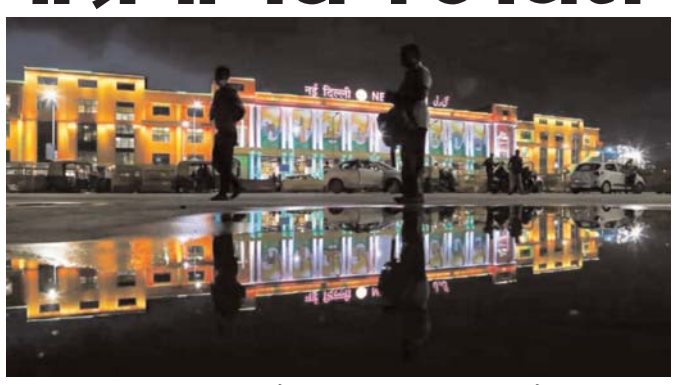

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में देशभर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु हर दिन शामिल हो रहे हैं। इस बीच शनिवार की शाम को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की संख्या अधिक होने की वजह से भगदड़ मच गई। इस हादसे में 18 लोगों की जान चली गई। वहीं इस घटना के एक दिन बाद उत्तर रेलवे की ओर से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है। रेलवे ने प्रयागराज जाने वाली सभी स्पेशल ट्रेनों के संचालन कि लिए प्लेटफार्म नंबर 16 से संचालन तय किया है।

उत्तर रेलवे ने बताया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की दुखद घटना के एक दिन बाद, उत्तर रेलवे ने आने वाले दिनों में ऐसी किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए कई उपाय लागू किए। यह निर्णय लिया गया है कि प्रयागराज की ओर जाने वाली सभी विशेष ट्रेनें प्लेटफॉर्म नंबर 16 से चलाई जाएंगी। इसलिए, प्रयागराज जाने के इच्छुक सभी यात्री नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट की ओर से आएंगे और जाएंगे। सभी प्लेटफार्म से नियमित ट्रेनों का संचालन यथावत जारी रहेगा। यह पीक आवर की भीड़ को एक प्लेटफॉर्म पर जमा होने से बचाने की दिशा में एक कदम है। बता दें कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 लोगों के जान गंवाने के एक दिन बाद रविवार को भी स्टेशन पर भीड़भाड़ रही। हजारों यात्रियों को भारी भीड़ के बीच विभिन्न ट्रेन में सवार होने के लिए संघर्ष करना पड़ा। अतिरिक्त उपायों के बावजूद, यात्रियों का पहुंचना जारी है, जिनमें से ज्यादातर लोग प्रयागराज जाने वाले महाकुंभ तीर्थयात्री हैं। अत्यधिक भीड़ के कारण अधिकारियों के लिए स्थिति को संभालना मुश्किल हो गया है। भगदड़ शनिवार रात करीब 10 बजे हुई। फिर भी, कई घंटों बाद भी भीड़ कमोबेश पूर्व की तरह ही नजर आ रही है। हजारों लोग अब भी प्लेटफॉर्म और फुट-ओवर ब्रिज पर खड़े होने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं।

बीजेपी विधायक दल की बैठक आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। , चुना जाएगा नए ष्टरू का नाम, 18 फरवरी को शपथग्रहण समारोह

नई दिल्ली~ दिल्ली में सरकार गठन से जुड़ी इस वक्त की बड़ी खबर है। 17 फरवरी (सोमवार) को दोपहर 3 बजे से दिल्ली भाजपा प्रदेश कार्यालय में बीजेपी विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें दिल्ली का नया सीएम चुन लिया जाएगा। 18 फरवरी को शपथग्रहण समारोह होगा। ये जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। हालांकि शपथग्रहण समारोह बहुत बड़ा और भव्य नहीं होगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी को जीत हासिल हुई है और आम आदमी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली में बीजेपी ने 70 में से 48 विधानसभा सीटें पर जीत दर्ज की है जबकि ्क्को सिर्फ 22 सीटें मिली हैं। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया जैसे दिग्गज चुनाव हार चुके हैं। ऐसे में साफ है कि दिल्ली में अब बीजेपी का सीएम होगा। 27 साल बाद बीजेपी ने दिल्ली में वापसी की है लेकिन अब तक सीएम पद पर किसी नाम को लेकर मुहर नहीं लगी है। ऐसे में पूरे देश की नजरें इस फैसले पर टिकी हुई हैं।

फैक्ट्री में धमाके से दहल गया नागपुर, दो लोगों की हुई मौत

महाराष्ट्र के नागपुर जिले में रविवार को जोरदार धमाका

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में रविवार को एक जोरदार धमाका हुआ। इस धमाके से आस-पास का इलाका दहल गया। बताया जा रहा है कि विस्फोटक निर्माण यूनिट में ये विस्फोट हुआ था। वहीं फैक्ट्री में हुए इस धमाके की वजह से दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने घटना के बारे में जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि विस्फोट जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर, काटोल तहसील के कोतवलबडी में एशियन फायरवर्क्स फैक्ट्री में दोपहर 1~30 बजे हुआ। उन्होंने कहा, ''दो लोगों की मौत हुई है और कुछ अन्य घायल हुए हैं। घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।'' अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के कारण आसपास की झाड़ियों में मामूली आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया है।नागपुर ग्रामीण के स्क्रहर्ष पोद्दार ने घटना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, ÷एशियन फायरवर्क्स फैक्ट्री है, यहां पर पटाखे बनाए जाते हैं। यहां करीब डेढ़ बजे एक ब्लास्ट हुआ, जिसमें विस्फोट के बाद 2 लोगों की मौत हो गई और तीन मामूली रूप से घायल हो गए। विस्फोट के पीछे का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, इसके लिए फोरेंसिक जांच की जाएगी। आग बुझा दी गई है।÷

वहीं महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में रविवार को हुए एक अन्य हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। यहां सुबह एक 11 मंजिल की इमारत में भीषण आग लग गई। आग लगने से दो महिलाओं की मौत हो गई। वहीं दो अन्य लोगों का दम घुटने लगा, हालांकि अब इन दोनों की हालत स्थिर है। दमकल अधिकारी ने बताया कि दक्षिण मुंबई के मस्जिद बंदर इलाके में स्थित पन्ना अली मेंशन इमारत में सुबह छह बजकर 11 मिनट पर आग लग गई। अधिकारी ने कहा कि आग भवन के भूतल पर मीटर और तारों में लगी। इस दौरान प्रथम तल पर मौजूद दो महिलाओं के हाथ-पैरों में चोटें आई तथा आग लगने से हुए धुएं के कारण उनका दम घुट गया।

भगदड़ के बाद लापता लोगों की तलाश

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर में भटक रहे परिजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात को मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल हैं। ऐसे में कई लोग लापता भी हो गए हैं। लापता लोगों के परिवार के सदस्य अपने प्रियजनों की तलाश में जुटे हैं तथा वे उनकी तस्वीरें लेकर एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल के चक्कर काट रहे हैं। उनको समझ ही नहीं आ रहा कि वह कहां जाएं और क्या करें।

कई लोगों ने कहा कि अस्पताल ने उन्हें वहां भर्ती मरीजों के बीच अपने परिवार के लापता सदस्यों को खोजने की अनुमति नहीं दी है। बता दें कि घायलों को लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल (एलएनजेपी) और मध्य दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भगदड़ के बाद से ही मीना नाम की महिला लापता है। एलएनजेपी अस्पताल के बाहर भोला साह ने अपने मोबाइल फोन पर अपनी पत्नी मीना की तस्वीर दिखाई है। साह का कहना है कि उनकी पत्नी शनिवार शाम से लापता है, जब वह महाकुंभ में भाग लेने के लिए प्रयागराज जाने वाली ट्रेन पकड़ने पकड़ने रेलवे स्टेशन गई थीं। उसके पास कोई टिकट नहीं था। उसके साथ रहे 4-5 लोग भी लापता हैं और उनके मोबाइल नंबर पर भी संपर्क नहीं हो पा रहा है।

भोला साह ने कहा है कि अस्पताल अधिकारियों ने मुझे बताया कि भगदड़ में मारे गए लोगों का कोई शव नहीं है, क्योंकि सभी शवों को उनके रिश्तेदार ले गए हैं।

मोअज्जम नाम के एक शख्स अपने दोस्तों के साथ एलएनजेपी अस्पताल में अपने लापता भाई नदीम के बारे में पूछताछ करते दिखे। उन्होंने कहा कि वह स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस से दरभंगा में अपने घर वापस जा रहा था। मुझे उसका कोई सुराग नहीं लगा है क्योंकि उसके पास कोई मोबाइल फोन नहीं है। उसकी ट्रेन शनिवार रात को प्लेटफॉर्म नंबर 13 से रवाना होने वाली थी।

केजरीवाल कांग्रेस के साथ चुनाव लड़ने के पक्ष में थे

लेकिन कैसे बिगड़ा मामला? संजय राउत ने किया खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। क्या अरविंद केजरीवाल कांग्रेस के साथ मिलकर हरियाणा और दिल्ली का विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते थे? लेकिन यह पूरा मामला कैसे बिगड़ गया? इसका खुलासा संजय राउत ने सामना में लिखे अपने लेख में किया है। उन्होंने दिल्ली में आदित्य ठाकरे और अरविंद केजरीवाल के बीच हुई बैठक में जो बातचीत हुई उसकी जानकारी सार्वजनिक की है। इसके मुताबिक केजरीवाल ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के साथ गठबंधन की पूरी कोशिश की लेकिन कांग्रेस की हठधर्मिता के चलते ऐसा संभव नहीं हो पाया।

आदित्य ठाकरे ने से बातचीत में अरविंद केजरीवाल ने जो जानकारी दी है वो कांग्रेस की गठबंधन संबंधित नीतियों को एक्सपोज करती है। आदित्य ठाकरे के साथ फिरोजशाह रोड स्थित आवास पर केजरीवाल की मुलाकात हुई थी। दिल्ली और हरियाणा को लेकर स्वयं अरविंद केजरीवाल ने जो जानकारी दी है वो कांग्रेस की गठबंधन संबंधित नीतियों को एक्सपोज करती है। आदित्य ठाकरे के साथ फिरोजशाह रोड स्थित आवास पर केजरीवाल की मुलाकात हुई। इस बातचीत में जब केजरीवाल से यह पूछा गया कि ''अगर कांग्रेस के साथ गठबंधन हुआ होता तो बेहतर होता। केजरीवाल ने गठबंधन होने नहीं दिया, ऐसा आक्षेप है।'' इस पर केजरीवाल ने कहा, ''नहीं, मैं पूरी तरह से कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के पक्ष में था।÷

केजरीवाल ने वजह बताते हुए कहा. ''जब मैं जेल में था तब हरियाणा में चुनाव हुए थे। राघव चड्ढा हरियाणा का काम देख रहे थे। वे मुझसे जेल में मिलने आए थे। मैंने उनसे कहा, हमें कांग्रेस के साथ गठबंधन करना ही होगा। आप सीटों का बंटवारा तय करें।'' केजरीवाल ने आगे कहा, ''कांग्रेस ने हमसे एक सूची मांगी। हमने 14 निर्वाचन क्षेत्रों की सूची दी। राहुल गांधी ने कहा, हम 'आप' को छह सीटें देंगे। मैंने राघव से कहा, कोई बात नहीं, छह सीटें ले लो। हम दो कदम पीछे आ गए। राहुल गांधी ने कहा, के. सी. वेणुगोपाल से मिलें।

122 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले का दूसरा आरोपी पकड़ाया

मुंबई (एजेंसी)। 122 करोड़ रुपये के न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक स्कैम मामले में आर्थिक अपराध शाखा ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में आर्थिक अपराध शाखा ने डेवेलपर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए डेवेलपर का नाम धर्मेश पौन बताया जा रहा है। जांच में पता चला कि धर्मेश ने इस मामले में गबन किये गए 122 करोड़ रुपये में से 70 करोड़ रुपये लिए। आर्थिक अपराध शाखा ने बताया कि मुख्य आरोपी जनरल मैनेजर हितेश मेहता से धर्मेश मई और दिसंबर 2024 में 1.75 करोड़ रुपये और जनवरी 2025 में 50 लाख रुपए मिले हैं। इस मामले में कल पुलिस ने हितेश मेहता को लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों को मुंबई के किला कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया है। न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के पूर्व महाप्रबंधक हितेश प्रवीणचंद मेहता जब दादर और गोरेगांव शाखाओं के प्रभारी थे तब उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए दोनों शाखाओं के खातों से 122 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जब पैसे एक ब्रांच से दूसरे ब्रांच के लिए ट्रांसफर किए जाते थे उस दौरान हितेश मेहता चोरी की वारदात को अंजाम दिया करता था।

संत श्री सेवालाल जी महाराज ने शिक्षा, प्रकृति और समाज में सामाजिक समरता का भाव पैदा किया-उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा खरगौन में संत श्री सेवालाल जी महाराज के 286वें जन्मोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि संत श्री सेवालाल जी महाराज ने शिक्षा, प्रकृति और समाज में सामाजिक समरसता का भाव पैदा किया है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि संत जी ने बंजारा समाज के उत्थान के लिये कई महत्वपूर्ण काम किये हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि संत जी ने बंजारा समाज में शिक्षा और ज्ञान के महत्व पर बल दिया। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिये काम किया और महिलाओं को अधिकार दिलाये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि संत जी के विचार और आदर्श आज भी हमें प्रेरित करते हैं। संत श्री सेवालाल जी महाराज की जयंती पर हमें उनके जीवन और आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिये। हमें उनके विचारों को अपनाना चाहिये और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिये काम करना चाहिये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि संत जी ने प्रत्येक समाज को प्रकृति से जोड़ा। संत जी प्रकृति के बड़े प्रेमी थे और वे

जहाँ भी जाते थे एक पेड़ अवश्य लगाते थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार संतों का बड़ा सम्मान करती है और उनके दिखाये हुए रास्ते पर चलने का प्रयास करती है।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि आज समाज के बँधुओं के लिये गर्व का क्षण है कि संत शिरोमणि श्री सेवालाल जी के जीवन चरित्र पर केन्द्रित पुस्तक संत सेवालाल महाराज'' का विमोचन किया गया है। इसके लिये मैं धार जिले के श्री श्याम नायक को साधुवाद देता हूँ। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पुस्तक से संत श्री सेवालाल से जुड़े साहित्य में बढ़ोत्तरी होगी। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों को संत सेवालाल जी से जुड़े प्रसंगों को जन-जन तक पहुँचाने का काम करना होगा। इन कामों को पूरा करने में पुस्तक और साहित्य कारगर साबित होगा। उप मुख्यमंत्री ने संत श्री सेवालाल महाराज बंजारा समाज समिति को इस भव्य आयोजन एवं शोभा-यात्रा के लिये बधाई दी। इस अवसर पर संतजन, विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार, जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने भगवान श्री अंगारेश्वर महादेव की सपत्निक पूजा-अर्चना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार सुबह उज्जैन स्थित भगवान श्री अंगारेश्वर महादेव के सपत्निक दर्शन कर पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्री अंगारेश्वर का दुग्धाभिषेक व जलाभिषेक भी किया। पूजन, जलाभिषेक कर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि 84 महादेव में से एक, यह मंदिर अत्यंत प्राचीन है। पुजारी श्री मनीष उपाध्याय,श्री रोहित गुरु ने मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न कराई। पूजा के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौ सेवा की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि श्री रवि सोलंकी, श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला,श्री अभय यादव शाहिद अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग को दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग को प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन के लिए स्कॉच अवॉर्ड-2024 प्राप्त होने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का दिल है। हमारा प्रदेश पर्यटन क्षेत्र में भी विशेष है। पर्यटन विभाग के अंतर्गत एमपी टूरिज्म बोर्ड को प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन के लिए स्कॉच अवॉर्ड-2024 प्राप्त होना गर्व की बात है। इस उपलब्धि के लिए पर्यटन विभाग के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों का परिश्रम प्रमुख आधार बना है पर्यटन मंत्री और पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ ही विभागीय अमला भी बधाई का पात्र है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने आशा व्यक्त की है कि मध्यप्रदेश पर्यटन प्रगति के नित नए आयाम प्राप्त करेगा। उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली में आयोजित 100 वें स्कॉच समिट में मध्यप्रदेश को यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्राप्त हुआ है। प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य ठोस कचरा प्रबंधन, पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना है। मध्यप्रदेश इन कार्यों में श्रेष्ठ प्रदर्शन वाला राज्य माना गया है।

वन विहार, भोपाल में एशियाई सिंह को देख सकेंगे पर्यटक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के वन विहार में एशियाटिक सिंहों के आगमन के बाद अब पर्यटकों द्वारा सिंहों को देखने की व्यवस्था प्रारंभ होने का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में वन्य प्राणी आदान-प्रदान योजना के अंतर्गत लगभग दो महीने पहले जूनागढ़, गुजरात से लाये गये एशियाटिक सिंह को भोपाल के वन विहार में क्वारेन्टाइन बाड़े से पर्यटकों के अवलोकन के लिए छोड़ दिया गया है। अब यहां आने वाले स्थानीय और देशी-विदेशी पर्यटक इनकी दहाड़ सुनने के साथ इनके विचरण का अनोखा आनंद भी ले सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में वन्य प्राणी पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही वन्य जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। एशियाई सिंह गुजरात में ही पाए जाते हैं। वन्य प्राणियों में विशिष्ट माने गए एशियाई सिंह की वन विहार भोपाल में मौजूदगी मध्यप्रदेश में वन्य जीव पर्यटन के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। वन विहार, भोपाल में आए एशियाई सिंह में एक नर जूना एवं एक मादा गिरी है। इन दोनों को बाड़े में क्वारेन्टाइन रखने के बाद इनकी सतत निगरानी की जा रही थी। वर्तमान में ये दोनों एशियाई सिंह पूर्णत~ स्वस्थ हैं।

धार्मिक पर्यटन की गतिविधियों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिल रहा है प्रोत्साहन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आस्था, श्रद्धा और धार्मिक पर्यटन के लिए किए गए आग्रह के परिणामस्वरूप सभी धार्मिक पर्व और उत्सव, उल्लास एवं उत्साह के साथ मनाए जा रहे हैं। महाकुंभ के क्रम में मध्यप्रदेश के चित्रकूट धाम, उज्जैन, ओरछा, दतिया जैसे धार्मिक स्थानों पर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शनार्थ पधार रहे हैं। धार्मिक पर्यटन की इन गतिविधियों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी प्रोत्साहन मिला है। उज्जैन में ही गत वर्ष 6 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पधारे। आगामी 26 फरवरी को महाशिवरात्रि का पर्व आ रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावनाएं है। महाकाल लोक में श्रद्धालुओं के बढ़ रहे आवागमन को देखते हुए राज्य सरकार उनकी सुविधा के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इसी के अंतर्गत महाकाल लोक में आवागमन और दर्शन की सुगम व्यवस्था के लिए 6 द्वार विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास से जारी अपने संदेश में यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और प्रदेश की क्षमता का उपयोग देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य हो रहा है। प्रदेश में आस्था, श्रद्धा से जुड़े कार्यों का भी क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिससे हमें हमारी विरासत पर गर्व करने का अवसर मिले।

हितग्राहियों के घर तक सरकार पहुंचा रही पैलियेटिव केयर; आशाओं को प्रशिक्षित कर किया जा रहा है दक्ष

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पेलिएटिव केयर का विस्तार करते हुए इसे नागरिकों के लिए सुलभ बनाने के लिए आशा कार्यकर्ताओं को इससे जोड़ा जा रहा है। इसके लिए आशा कार्यकर्ताओं को 5 दिवसीय प्रशिक्षण देकर बुजुर्गों के स्वास्थ्य की देखभाल और पेलिएटिव केयर के बारे में जानकारी दी जा रही है। जिससे कि वे समुदाय स्तर पर इन सेवाओं की प्रदायगी और अधिक दक्षता के साथ प्रदान कर सकें। पूर्व में चिकित्सकों, नर्सिंग ऑफिसर्स, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

आशा कार्यकर्ता समुदाय का एक महत्वपूर्ण अंग है। उनके माध्यम से शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक परामर्श सेवाएं मरीजों को दी जाएगी। इसके अलावा दर्द, सांस फूलना, रक्तस्राव, मितली, उल्टी, कब्ज, दस्त, घाव देखभाल, बैकसोर, पेरेनियम केयर सलाह भी दी जाएगी। मरीज और परिवारजनों की काउंसलिंग, परिवार के सदस्यों को मरीज की देखभाल एवं दवा के उपयोग के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

पेलिएटिव केयर की आवश्यकता मुख्यत: हृदय रोग, कैंसर, गंभीर श्वसन रोग, एड्स, डायबिटीज के मरीजों में होती है। इसके अलावा किडनी में खराबी, लीवर की पुरानी बीमारी, रूमेटाइड आर्थराइटिस, न्यूरोलॉजिकल रोग, मनोभ्रंश, जन्मजात विसंगतियों और दवा प्रतिरोधी टीबी शामिल है। पैलिएटिव केयर गंभीर बीमारियों से ग्रस्त रोगियों, उनके परिवारों और देखभाल करने वालों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करती है। आशा कार्यकर्ताओं द्वारा बुजुर्गों के स्वास्थ्य की देखभाल के साथ-साथ पेलिएटिव केयर की आवश्यकता होने पर ऐसे लोगों और उनके परिजनों को सेवाएं दी जायेगी। कार्यक्रम के तहत 60 से ऊपर वाले लोगों की जानकारी केसशीट में संधारित की जावेगी। वृद्धजनों की प्रत्येक 6 माह में जांच कराई जाएगी

एवं आशा कार्यकर्ता द्वारा जांच के लि4 हितग्राहियों को मोटिवेट किया जाएगा।

ग्रीष्मकालीन सब्जियों की बुवाई के लिए यह उपयुक्त समय-कृषि मंत्री श्री कंषाना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि ग्रीष्मकालीन सब्जियों की पौध की तैयारी व बुवाई का यह उपयुक्त समय चल रहा है। बुवाई 15 फरवरी से 15 मार्च तक कर सकते हैं। ग्रीष्मकालीन सब्जियों लौकी, कद्दू, करेला, तोरई, खीरा, टिण्डा की बुवाई का यह उपयुक्त समय है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार इनके लिए बलुई दोमट मिट्टी, जिसका पीएच मान 6 से 7.5 के मध्य हो उपयुक्त होती है। मृदा जांच रिपोर्ट के आधार पर गोबर की खाद या कम्पोस्ट अथवा रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करें। बुवाई के लिए नालियां या जमीन से उठी हुई क्यारियां तैयार कर लें। खेत में नालियां लगभग 40-50 सेंटीमीटर चौड़ी और 30-40 सेंटीमीटर गहरी बनाएं। दो कतारों में 2 से 4 मीटर की दूरी रखें। बीज दर खीरा के लिए 2 से 2.5 किलोग्राम, लौकी की 4 से 5, करेला की 5 से 6, तोरई की 4.5 से 5, कद्दू की 3 से 4, टिण्डा की 5 से 6, तरबूज की 4 से 4.5 और खरबूज की बीज दर 2.5 किलोग्राम रखें। रोपाई से पूर्व सब्जियों के बीजों को फफूंदनाशक दवा कार्बेंडाजिम + मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करें।

ज्यादातर बेल वाली सब्जियों में खेत की तैयारी के समय 15 से 20 टन प्रति हेक्टेयर अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करें। नत्रजन 80 किलोग्राम, फॉस्फोरस 50 किलोग्राम, पोटाश 50 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें। ग्रीष्मकालीन भिण्डी बुवाई फरवरी से मार्च तक करें।

खादी और स्वदेशी उत्पादों को अपना कर देश की अर्थ-व्यवस्था मजबूत करें -राज्य मंत्री जायसवाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने लोगों से अपील की है कि वे खादी और स्वदेशी उत्पादों को अपनाएं और अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में योगदान करें। राज्य मंत्री श्री जायसवाल ने भोपाल स्थित मृगनयनी, कबीरा और विंध्यावैली स्टोर का निरीक्षण कर स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी की। इस दौरान उन्होंने जनता से शुद्ध और उत्कृष्ट खादी व स्वदेशी उत्पाद अपनाने का अनुरोध किया।

राज्य मंत्री श्री जायवाल ने कहा कि उत्कृष्ट खादी व स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य जनता को उत्कृष्ट खादी व स्वदेशी उत्पादों के महत्व के बारे में जागरूक करना है। इस अभियान के तहत लोगों को खादी और स्वदेशी उत्पादों के फायदों के बारे में बताया जा रहा है। इन उत्पादों को अपनाने से न केवल हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी,

बल्कि हमारे देश और प्रदेश के कारीगरों और किसानों को भी लाभ होगा। जनता को खादी और स्वदेशी उत्पादों के बारे में जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में प्रदर्शनियां, सेमिनार और कार्य-शालाएं शामिल होंगी। अभियान का उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि खादी और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से हम अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकते हैं और अपने कारीगरों और किसानों को भी लाभ पहुंचा सकते हैं।

देश के नवनिर्माण में सहभागी बने युवा - मंत्री सारंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि युवा देश की पूंजी है, वह देश के नवनिर्माण में सहभागी बने। युवा केवल अपने लिये नहीं, परिवार के लिए नहीं राष्ट्र और समाज के लिये कार्य करें। मंत्री श्री सारंग शनिवार को ब्रिज युवा कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशल कान्वेशन हॉल में पूर्व परामर्श युवाओं के लिये उद्यमिता कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि जब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर टेक्नोलॉजी की बात होती है तो भारत देश उसमें सबसे पहले आता है। चाहे वह पर्यावरण संरक्षण हो या दुनिया की अर्थ-व्यवस्था या फिर दुनिया भर में शांति आंदोलन, सब में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का महत्व देखा जा सकता है। उनके नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज का युवा उसमें सहभागी बने और देश के नवनिर्माण में सार्थक आहूति दे। युवाओं की सहभागिता से विकसित और शक्तिशाली देश का निर्माण होगा। मंत्री श्री सारंग ने युवा विकास, सहकारी पहल और उद्यमिता को बढ़ावा देने अपना दृष्टिकोण युवाओं को बताया।

मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जीसीटीसी (नॉलेज पार्टनर) के सहयोग से इस कार्यक्रम में उभरते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र पर नीति निर्माताओं और उद्योग विशेषज्ञों के साथ पैनल चर्चा हुई। स्टार्ट-अप शोकेस में एग्रीटेक, फिनटेक, ग्रीन एनर्जी, एआई और ई-कॉमर्स में नवाचारों को प्रदर्शित किया गया। उभरते उद्योगों में चुनौतियों और अवसरों पर युवा उद्यमियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र हुआ। विचार-आधारित प्रतियोगिता जिसमें चयनित छात्रों ने एक प्रतिष्ठित पैनल के समक्ष अपनी व्यावसायिक अवधारणाएं प्रस्तुत की।

निवेशक महाकुंभ में होगा देश-विदेश से आए उद्यमियों का समागम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत का हृदय मध्यप्रदेश, समृद्ध अर्थव्यवस्था, विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, राज्य सरकार की निवेशक-अनुकूल नीतियों और विशेष प्रोत्साहन योजनाओं के साथ निवेश के असीमित अवसरों की उपलब्धता से देश-विदेश के उद्यमियों के लिए निवेश का प्रमुख स्थल बन गया है। देश-विदेश के उद्यमियों को निवेश के अवसरों से रूबरू कराने के उद्देश्य से राजधानी भोपाल में दो दिवसीय जीआईएस-2025 का आयोजन किया जा रहा है। इसका शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इस %महाकुंभ% में दुनिया भर से आने वाले निवेशकों का समागम होगा।

व्यापार और उद्योग अनुकूल माहौल बनाने के लिये प्रतिबद्ध मध्यप्रदेश सभी उद्यमियों के लिए निवेश के अपार अवसर और उसके बाद दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने के प्रति संकल्पित है। मध्यप्रदेश पर्यटन, फ ा म ा र् स् य ु ट ि क ल् स, ऑटोमोबाइल, खनन, डेयरी और खाद्य प्र-संस्करण जैसे क्षेत्रों के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। मध्यप्रदेश एक्सपोर्ट प्रिपेअर्डनेस इंडेक्स में देश के शीर्ष-10 राज्यों में और विश्व बैंक द्वारा आयोजित ईज़-ऑफ-डूइंग बिज़नेस में चौथे स्थान पर है। दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के प्रभाव क्षेत्र में आने से मध्यप्रदेश में लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक विकास के असीम अवसर उपलब्ध हैं। मजबूत रेल और सड़क नेटवर्क के अलावा राज्य में 6 व्यावसायिक एयरपोर्ट हैं, जहां से 100 से अधिक उड़ानें संचालित होती हैं। इससे यहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आवागमन सुगम हुआ है। मध्यप्रदेश में कोयला, हीरा, तांबा, लौह अयस्क और ग्रेफाइट जैसे महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों का भण्डार है। प्रदेश तांबा, मैंगनीज, मोलिब्डेनम और हीरे का देश का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। राज्य सरकार कृषि और खाद्य प्र-संस्करण, आईटी, आईटीईएस, पर्यटन, वस्त्र उद्योग, वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स, ऑटोमोबाइल, दवाइयां एवं फार्मास्युटिकल्स और रक्षा एवं एयरोस्पेस सेक्टर पर प्रमुखता से ध्यान दे रही है। राज्य में 8 फूड पार्क, लगभग 15 मिलियन मीट्रिक टन की वेयरहाउसिंग क्षमता और 3 लाख 54 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र कवर करने वाले कोल्ड-स्टोरेज के साथ मध्यप्रदेश उद्योगों के लिए एक आकर्षक निवेश स्थल बनता जा रहा है।

मध्यप्रदेश देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। यहां देश भर के सबसे बड़े क्षेत्र में जैविक खेती की जाती है। भारत के कुल जैविक उत्पादन का 27त्न मध्यप्रदेश में होता है। भारत के सबसे स्वच्छ राज्य मध्यप्रदेश का इंदौर शहर लगातार देश का सबसे स्वच्छ शहर बना हुआ है और भोपाल स्वच्छतम राजधानी। राज्य की बड़ी जनसंख्या इसे विशाल उपभोक्ता बाजार भी बनाती है। मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिए 1.25 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र की औद्योगिक भूमि-बैंक है। इसमें से 19,011 हेक्टेयर क्षेत्र उद्योगों के लिए पहले ही विकसित किए जा चुके हैं। राज्य में 76 विकसित, 19 विकासाधीन और 13 प्रस्तावित भूमि-बैंक हैं, जो 5 ग्रोथ सेंटर्स में फैले 79 भूखंडों में वितरित हैं। राज्य में 6 प्रमुख ड्राई इनलैंड कंटेनर डिपो हैं, इनकी वेयरहाउसिंग क्षमता 240 लाख मीट्रिक टन है। मध्यप्रदेश ऊर्जा सरप्लस राज्य है, जहां 31 गीगावाट विद्युत का उत्पादन होता है, जिसमें 20 प्रतिशत क्लीन एनर्जी है।

मध्यप्रदेश किसी भी औद्योगिक क्षेत्र की मांगों को पूरा करने के लिए पर्याप्त बिजली आपूर्ति करने में सक्षम है।

एमपी टूरिज्म बोर्ड को प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन के लिए मिला स्कॉच अवॉर्ड-2024

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एमपी टूरिज्म बोर्ड को उसके सतत पर्यटन पहल 'प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशंस' के लिए प्रतिष्ठित स्र्ग्नह्रष्ट॥ अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने हर्ष जताते हुए कहा कि सतत और जिम्मेदार पर्यटन के प्रति प्रतिबद्ध है। हम सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से मध्यप्रदेश को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित बनाने के सतत प्रयास कर रहे है। यह अवॉर्ड परियोजना को क्रियान्वित कर रहे सभी हितधारको और अधिकारियों का हौसला बढ़ाएगा। अपर प्रबंध संचालक सुश्री बिदिशा मुखर्जी ने नई दिल्ली में सिल्वर ओक हॉल, इंडिया हैबिटेट सेंटर में 100वें स्कॉच समिट

के दौरान अवार्ड ग्रहण किया। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड भोपाल द्वारा प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन का शुभारम्भ फरवरी 2022 में राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल द्वारा पन्ना जिले से किया गया है। इस परियोजना को कोका-कोला इंडिया लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित किया गया है और इसे साहस संगठन द्वारा क्रियान्वित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य ठोस कचरा प्रबंधन, पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना है। यह पहल स्वच्छता, आगंतुक जागरूकता और राजस्व-साझाकरण मॉडल को सुनिश्चित करती है, जिससे स्थानीय संस्थानों को सशक्त बनाया जा सके।

यह परियोजना पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के पास स्थित 30 गांवों में सफलतापूर्वक लागू की गई है। पन्ना में मिली सफलता के बाद, इस पहल का विस्तार बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और इसके आसपास के 16 गांवों में कर दिया है। इसके अलावा, इस पहल को और प्रभावी बनाने के लिए साहस और स्वच्छ भारत मिशन, मध्य प्रदेश के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए हैं।

बिन बताए पुलिस ने शव उठाए, इसलिए भड़के ग्रामीण

5 बस, 3 ट्रक में लगाई थी आग, लाठी-डंडे से लैस थी भीड़

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में शुक्रवार को ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो लोगों की मौत के बाद हंगामा हो गया। गुस्साए लोगों ने पांच बस और तीन ट्रक फूंक दिए। एक ट्रक और बस में तोड़फोड़ की। सभी बसें अडानी की पॉवर प्लांट में आउटसोर्स ट्रांसपोर्टर की थीं। इनसे कंपनी के कर्मचारी आना-जाना करते थे। सड़क हादसे में जिन दो युवकों की मौत हुई थी, शनिवार को गांव में ही उनका अंतिम संस्कार किया गया। एडिशनल कलेक्टर पीके सेनगुप्ता ने बताया कि हादसे में मृत रामलालू यादव (45) और रामसागर प्रजापति (40) के परिजन को कोल ट्रांसपोर्ट कंपनी की ओर से 4-4 लाख रुपए और कर्मकार मंडल योजना के तहत 4-4 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। दूसरे दिन घटनास्थल के हालात देखे। मृतक के परिजन, प्रत्यक्षदर्शी और पुलिस अफसरों से बात की।

सिंगरौली जिले से करीब 40 किलोमीटर दूर स्थित है अडानी की कोलमाइंस। यहां से करीब 6 किलोमीटर दूर अमिलिया तिराहा है। यहां करीब 150 से ज्यादा दुकानें हैं। कंपनी के लोग छोटी-मोटी खरीदारी करते हैं। यहां से एक रास्ता कंपनी की तरफ मुड़ता है। शुक्रवार रात इसी जगह भीड़ ने पांच बसें जला दी थीं। इससे पहले, करीब तीन किलोमीटर दूर घाट पर तीन ट्रक फूंके। घटना के बाद लोगों के चेहरों पर डर साफ देखा जा सकता है। दहशत ऐसी कि सुबह 12 बजे तक बाजार नहीं खुले। पुलिस ने दोपहर में फ्लैग मार्च निकाला। एएसपी शिव कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे। लोगों से बात की, तब जाकर दुकानें खुल सकीं। ये भी कहा कि दुकानों पर भीड़ नहीं लगाएं।

जहां हादसा हुआ, वह ब्लैक स्पॉट: पॉवर प्लांट से करीब 7 किलोमीटर दूर क्षेत्र को अमिलिया का जंगल कहते हैं। यहां करीब 20 फीट चौड़ी डामर की सड़क है। यहां खतरनाक खड़ी चढ़ाई जैसा घाट है। यहां अक्सर हादसे होते रहते हैं। इस कारण इसे ब्लैक स्पॉट भी घोषित कर रखा है। पुलिस के मुताबिक बाइक से रामलालू यादव और रामसागर प्रजापति ऊंचाई की तरफ चढ़ रहे थे। दूसरी तरफ से कोयले से भरा ट्रेलर ढलान की तरफ आ रहा था। आशंका है कि दोनों एक-दूसरे को देख नहीं पाए होंगे, इस कारण हादसा हुआ। मौके पर पहुंचे फॉरेंसिक एक्सपर्ट का कहना है कि बाइक सवारों के कमर का हिस्सा ट्रक के टायरों के बीच गैप में फंस गया होगा। ट्रक उन्हें करीब 20 फीट तक घसीटते ले गया। उनका शरीर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। उनके पैर भी कुचल गए थे। अनियंत्रित होकर ट्रक समेत बाइक करीब 30 फीट गहरी खाई में गिर गए। बाइक भी दो हिस्सों में बंट गई।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- लाठी-डंडा लेकर आ गए थे लोग: प्रत्यक्षदर्शी रामदास साहू ने बताया 'भीड़ इस वजह से आक्रोशित थी, क्योंकि हादसे के बाद बिना परिजनों और गांव वालों को बताए पुलिस दोनों शवों को लेकर चली गई। इससे गुस्साई भीड़ पहले घटनास्थल पहुंची थी। यहां पास ही खड़े दो ट्रकों में तोड़फोड़ की। दरअसल, इसी रास्ते से कोलमाइंस के लिए ट्रक आते-जाते हैं। इसी के चलते लोगों ने ट्रकों में आग लगा दी। इसके बाद भीड़ कंपनी की ओर बढ़ी।

रामदास ने बताया- वे लोग कंपनी में घुसकर तोड़फोड़ करना चाहते थे। करीब 200 लोगों के हाथ में लाठी-डंडे थे। भीड़ अमिलिया तिराहे पर आ गई। जैसे ही, पावर प्लांट से बसें निकली, भीड़ ने उनमें तोड़फोड़ शुरू कर दी। बस के ड्राइवर पर भी पत्थर फेंके। ड्राइवर अपनी जान बचाकर भागे।

रात 2 बजे कंपनी मैनेजमेंट ने घर पहुंचाए कर्मचारी: बताया जा रहा है कि ट्रक जलाने की जानकारी कंपनी प्रबंधन को मिल गई थी। इस कारण चक्काजाम या अन्य हालात की आंशका के चलते पहली शिफ्ट के कर्मचारियों को सुरक्षित घर पहुंचाना चाहा। एक साथ पांच बसों में बैठाकर कर्मचारियों को निकाल दिया। इधर, सेकंड शिफ्ट के कर्मचारी भी आ गए थे। इस कारण काम भी प्रभावित नहीं हुआ।

इससे पहले, अमिलिया चौराहे पर भीड़ ने उन्हें घेर लिया। ड्राइवर ने बस पीछे ले जाने की कोशिश की, तो पत्थर मारना शुरू कर दिया। इसके बाद कर्मचारी कंपनी की ओर भागे। माहौल ठंडा होने के बाद रात करीब 2 बजे कर्मचारियों को ट्रांसपोर्टर से गाड़ियां बुलवाकर घर भिजवाया गया।

4 बजे बात हुई, 5 बजे आई मौत की खबर: मृतक रामलालू यादव के बेटे श्याम बिहारी यादव ने बताया, 'शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे पिता रामलालू अपने दोस्त राम सागर प्रजापति के साथ बाइक से निकले थे। कहा था- रामसागर का कुछ काम है, इसलिए घाट तरफ जा रहे हैं। उसके बाद बात नहीं हुई। शाम करीब 6:00 बजे हादसे के बारे में पता चला। मैं घर पर नहीं था। मां को किसी ने घटना के बार में बताया था।

घर के पास रहने वाले चाचा बाइक से घटनास्थल पहुंचे, लेकिन वहां कुछ नहीं मिला। बाइक जरूर पड़ी थी। इसी से पहचान हुई, लेकिन शव नहीं थे। वह वापस गांव आ गए। यहां घर पर पूरी बात बताई। लोग भी इकट्ठा हो गए।

अवैध स्पीड ब्रेकर से एक महीने में 7 लोग घायल, गांव में 19 ब्रेकर, महिला की बाइक पलटी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के रजडिहा गांव में अवैध स्पीड ब्रेकर पार करते समय एक स्कूटी सवार महिला अनियंत्रित होकर गिरने से बेहोश गई। हादसे में उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। ग्रामीणों ने तत्काल उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर इलाज शुरू होने के करी एक घंटे बाद उसे होश आया है। सीईओ राजीव मिश्रा ने अवैध स्पीड ब्रेकर हटवाने के लिए एमपीआरडीसी के अधिकारियों को पत्र लिखा है।

ग्रामीणों ने घरों के सामने 19 ब्रेकर बनाए: दरअसल, जिले के रजडिहा में लोगों ने मनमाने तरीके से कुल 19 स्पीड ब्रेकर बना लिए हैं। ग्रामीण सत्यवान साहू के अनुसार, पिछले जनवरी में ही इन ब्रेकर की वजह से 7 लोग हादसों का शिकार हुए, जिनमें से दो की हालत इतनी गंभीर थी कि उन्हें संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। स्थानीय प्रशासन से ब्रेकर हटाने को लेकर शिकायत भी दर्ज करवाई गई थी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

इधर, सीईओ राजीव मिश्रा ने बताया कि उन्हें इस बारे में कई शिकायतें मिल चुकी हैं। उन्होंने भरोया दिया है कि एमपीआरडीसी के अधिकारियों को पत्र भेजकर अवैध स्पीड ब्रेकर को जल्द से जल्द हटवाने की कार्रवाई की जाएगी।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग महिला घायल

10 मिनट तक कोई मदद को नहीं आया, सीधी के कुकुड़ीझर की घटना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के कुकुड़ीझर में रविवार दोपहर तेज रफ्तार बाइक सवार ने वृद्ध महिला मनिका साकेत को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि महिला का एक हाथ टूट गया। उनके सीने और कूल्हे पर गंभीर चोटें आईं।

घटना उस समय हुई, जब मनिका अपने नाती को देखने के लिए घर से बाहर निकली थीं। दुर्भाग्यपूर्ण यह रहा कि टक्कर मारने के बाद बाइक सवार फरार हो गया और करीब 10 मिनट तक कोई भी व्यक्ति महिला की मदद के लिए आगे नहीं आया। बाद में पड़ोसियों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय के अनुसार, अभी तक इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा कि पीड़िता या उनके परिजनों की शिकायत मिलते ही कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की मौजूदगी में महिला से मारपीट, दीवार तोड़ी, घरेलू सामान को नुकसान पहुंचाया, आरोप- मकान खाली करवाना चाहते हैं बदमाश

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के मरघट पहाड़ी क्षेत्र में एक मजदूर परिवार के घर में घुसकर कुछ लोगों ने जमकर तोड़फोड़ की और महिला व बच्चों से मारपीट की। हैरान करने वाली बात यह है कि घटना के समय पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे, लेकिन उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस मूकदर्शक बनी रही और दबंगों को रोकने की कोई कोशिश नहीं की।

घटना रविवार दोपहर 12 बजे की है, जब विमला कुशवाहा (35) के घर में गंगू, सुखवती, सनद अहिरवार और चतरेश रजक ने घुसकर दीवार तोड़ी और घरेलू सामान को नुकसान पहुंचाया। जब विमला के बेटे आशीष ने विरोध किया, तो उसे पीटा गया। परिवार ने बताया कि पुलिसकर्मी रामसिंह और एक अन्य पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे, लेकिन उन्होंने दबंगों को रोकने की बजाय चुप्पी साधे रखी। मारपीट के दौरान एक पक्ष ने दूसरे को बंधक तक बना लिया।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार पिछले 15 वर्षों से नगरपालिका द्वारा दिए गए पट्टे पर रह रहा है, जो पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अर्चना सिंह के कार्यकाल में मिला था।

पहले भी मिल चुकी है धमकी: पीड़ित पक्ष का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब परिवार को धमकाया गया है। 12 फरवरी को भी अज्जू, हीरालाल, ब्रदेश और गंगू अहिरवार कट्टा लेकर मकान खाली करने की धमकी दे चुके हैं। विमला की बहू पूजा ने बताया कि उनके पास कट्टा दिखाकर धमकी देने का वीडियो भी है।

पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल: सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे का कहना है कि दूसरे पक्ष को भी चोट लगी है और मामले की जांच के बाद ही कार्रवाई की जाएगी। इधर, पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस की निष्क्रियता और दबंगों के खिलाफ कार्रवाई न होने से उन्हें लगातार धमकियों का सामना करना पड़ रहा है।

जानलेवा बन रहा एनएच-39, पुल पर गहरे गड्ढे और धारदार सरिया से 2 महीने में 8 हादसे

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। बमीठा नगर से चन्द्रनगर तक सड़क की हालत बेहद खराब है। जगह-जगह गहरे गड्ढे और उखड़ी हुई डामर लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। सबसे खतरनाक स्थिति बमीठा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और वेयर हाउस के सामने स्थित पुल की है। यहां गड्ढों से धारदार सरिया निकल आए हैं, जिससे वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। पिछले दो महीनों में यहां 8 गंभीर दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिसमें कई लोग घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस समस्या से प्रशासन को तीन महीने पहले ही अवगत करा दिया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

5 हजार के लिए किसान की हत्या

पड़ोसी ने कुल्हाड़ी से हमला किया, 2500 रुपए दिए थे

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना में शनिवार रात सिंचाई के लिए हुए विवाद में एक किसान की धारदार कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी गई। घटना अमानगंज थाना क्षेत्र के सिरी गांव की है। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के बाद रविवार को परिजनों को सौंप दिया है। आरोपी के खिलाफ केस दर्जकर पुलिस तलाश में जुट गई है।

दरअसल, मृतक की मां पार्वती विश्वकर्मा के अनुसार, उनके बेटे राजेंद्र ने पड़ोसी किसान कंतावाला चौधरी से 5 हजार में खेत की सिंचाई का सौदा किया था। राजेंद्र विश्वकर्मा (27) ने इसमें से 2500 रुपए भी अदा कर दिए थे। पहली बार सिंचाई के बाद बार-बार कहने पर भी आरोपी कंतावाला दोबारा पानी नहीं लगा रहा था।

कल (15 फरवरी) की रात को राजेंद्र खेत पर गया, जहां सिंचाई को लेकर दोनों में विवाद हो गया। यह विवाद इतना बढ़ गया कि कंतावाला ने कुल्हाड़ी से वार कर राजेंद्र की हत्या कर दी। अगली सुबह जब राजेंद्र घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। दोपहर में खेत में उसका शव मिला। अमानगंज थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

मृतकों के परिवारों से मिलीं सिंगरौली की प्रभारी मंत्री

मकान, स्वच्छ पेयजल और 12 वर्षीय बच्चे को शिक्षा दिलाने का दिया भरोसा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली की प्रभारी मंत्री संपतिया उइके ने 14 फरवरी को हुए सड़क हादसे में मृत दो व्यक्तियों के परिवार से मुलाकात की। मंत्री ने सबसे पहले सुहरा गांव में मृतक रामसागर प्रजापति के परिवार से भेंट की। परिवार ने मकान, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था और 12 वर्षीय बच्चे की शिक्षा को लेकर मांग रखी। इसके बाद मंत्री अमिलिया गांव में दूसरे मृतक राम लालू यादव के परिवार से मिलीं।

प्रभारी मंत्री ने दोनों परिवारों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कलेक्टर को तत्काल सहायता के निर्देश दिए और प्रदेश स्तर की मांगों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का वादा किया। दौरे के दौरान राज्य मंत्री राधा सिंह और विधायक रामनिवास शाह भी थे।

14 फरवरी को हुए इस हादसे के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया था। आक्रोशित ग्रामीणों ने तोड़फोड़ और आगजनी की थी, जिसमें 5 बसें और 3 ट्रक जला दिए गए थे। इस दौरे के मद्देनजर पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी।

अदाणी पावर के कोल यार्ड में हादसा

मालगाड़ी से सफाई कर्मचारी की मौत, परिवार को 50 हजार की मदद

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र) सिंगरौली जिले में अदाणी पावर के गजरा बहरा स्थित कोल यार्ड में रविवार सुबह करीब 9 बजे हादसा हो गया। यहां 55 वर्षीय सफाई कर्मचारी ददुल सिंह की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई।

ददुल सिंह रेल पटरियों से कोयले की डस्ट हटा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही मालगाड़ी को वह नहीं देख पाए और उसकी चपेट में आ गए। देवसर एसडीओपी राहुल सिंह सैयाम के अनुसार, मृतक कर्मचारी मां तारा प्राइवेट लिमिटेड का वर्कर था। यह कंपनी अदाणी पावर से कोयला लोडिंग और अनलोडिंग का कॉन्ट्रैक्ट पर काम करती है।

सूचना मिलते ही प्रशासन और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतक के परिवार को सरकारी मदद के अलावा, मां तारा प्राइवेट लिमिटेड ने तत्काल 50,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी है। कंपनी ने मृतक के परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का भी आश्वासन दिया है।

सिंगरौली में यह दूसरा बड़ा हादसा है। इससे पहले 14 फरवरी को एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हुई थी, जिसके बाद आगजनी की घटना भी सामने आई थी।

पुलिस ने बिना परमिट की बसों को पकड़ा, 4 बसें जब्त

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में अवैध रूप से संचालित हो रही बसों के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देश पर एसडीएम अखिल राठौर और तहसीलदार संदीप तिवारी ने शनिवार की देर रात सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के बस स्टैंड पर छापेमारी की। इस दौरान राधिका, खजुराहो, विजययंत, राजकल्पना और एसकेटी कंपनी की बसों को जब्त कर ओरछा थाने में रखवाया गया। ये सभी बसें ऑल इंडिया परमिट के नाम पर छतरपुर से दिल्ली और नागपुर के बीच अवैध रूप से सवारियां ढो रही थीं। अधिकारियों के अनुसार, लंबे समय से इन बसों के खिलाफ शिकायतें मिल रही थीं।

फिटनेस सर्टिफिकेट की जांच की जा रही: एसडीएम अखिल राठौर ने बताया कि जब्त की गई बसों के रूट परमिट, फिटनेस सर्टिफिकेट और अन्य दस्तावेजों की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि कहीं इनके संचालन से शासन को राजस्व की हानि तो नहीं हो रही है और कानून व्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है।

जिले में आयोजित हुई मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता की परीक्षा

27000 से अधिक नवसाक्षर हुए परीक्षा में शामिल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि प्रदेश में साक्षरता दर बढ़ाने हेतु भारत सरकार के निर्देशानुसार संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्र म अंतर्गत आयोजित मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता परीक्षा आयोजित की गई जिसमें नवसाक्षरों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

कलेक्टर एवं सी.ई.ओ. जिला पंचायत के मार्गदर्शन में राज्य शिक्षा केन्द्र के दिशा निर्देश अनुसार उक्त परीक्षा जिले के सभी विकासखण्डों में आयोजित की गई। उक्त परीक्षा में दूर दराज एवं वनांचल क्षेत्रों से भी लोगो ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। जिला जेल सीधी में भी उक्त परीक्षा आयोजित की गई जिसमें 27 बंदी शामिल हुए।

परीक्षा के लिए जिले में समस्त शासकीय प्राथमिक/माध्यमिक शालाओं को परीक्षा केन्द्र निर्धारित किया गया था, जिसमें प्राथमिक/माध्यमिक शालाओं के शिक्षको, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं अक्षर साथियों आदि के सहयोग से पर्यवेक्षण एवं मूल्यांकन का कार्य सम्पादित किया गया।

मूल्यांकन परीक्षा हेतु समस्त शासकीय विद्यालयों को परीक्षा केन्द्र बनाया गया था तथा शाला प्रभारी उक्त परीक्षा हेतु केन्द्राध्यक्ष नियुक्त किये गये थे। परीक्षा प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक संचालित की गई तथा परीक्षा की अवधि 03 घंटें की थी जिसमें नवसाक्षर अपनी सुविधानुसार परीक्षा में सम्मिलित हुए। मूल्यांकन कार्य प्राथमिक/माध्यमिक शालाओं के शिक्षको, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं अक्षर साथियों आदि के सहयोग से पर्यवेक्षण एवं मूल्यांकन का कार्य सम्पादित किया गया। जिन नव साक्षरों ने पढना, लिखना एवं बुनियादी संख्यात्मकता में 33 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त किया उन्हे ''नीड टू इम्प्रूवमेंट'' के अंतर्गत लिया गया है तथा उन्हे आगामी परीक्षाओं में पुनः शामिल किया जायेगा।

नव साक्षर जो किसी कारणवश अपनी बाल्यावस्था में औपचारिक शिक्षा प्राप्त नही कर सके थे वे उम्र के इस पड़ाव पर परीक्षा देने में काफी उत्साहित दिखे और यह माना कि किन्ही परिस्थितियों की वजह से वे पहले नही पढ़ सके थे, लेकिन अपने बच्चो के साथ कदापि ऐसा नही होने देगे, उन्हे नियमित रूप से विद्यालय भेजेगे तथा पढ़ाएंगे।

साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा में डाइट प्राचार्य, डाइट के व्याख्याता एवं सभी विकासखण्डों के प्रभारी, जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी, समस्त विकासखण्डों के बी.आर.सी., बी.ए.सी., सह समन्वययक साक्षरता एवं जन शिक्षकों ने विभिन्न केन्द्रों में संचालित परीक्षाओं का निरीक्षण किया।

शादी में रजाई-गद्दे के लिए हुई मारपीट

मैरिज गार्डन संचालक और बारातियों के बीच हुआ विवाद, 6 लोग घायल

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले के अजयगढ़ में एक शादी समारोह के दौरान रजाई-गद्दे को लेकर हुए विवाद हो गया। एक्सिस पब्लिक मैरिज गार्डन में हुई इस घटना में दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे और धारदार हथियारों से मारपीट हुई, जिसमें 6 लोग घायल हो गए। घटना 15-16 फरवरी की रात करीब ढाई बजे की है। सुभाष साहू की भतीजी की शादी में बारातियों ने गार्डन संचालक निर्देश सचान से रजाई-गद्दे मांगे। संचालक के मना करने और गाली-गलौज करने पर मामला बिगड़ गया। जब रामराज साहू (50) ने इसका विरोध किया, तो उन पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया गया।

लाठी-डंडों और चाकू से किया हमला: इसके बाद सचिन सचान और रामजी गुप्ता भी वहां आ गए और मारपीट में शामिल हो गए। जब सुभाष साहू, छोटेलाल साहू, सुरेंद्र साहू और कामता साहू बचाव के लिए पहुंचे, तो उन पर भी लाठी-डंडों और चाकू से हमला किया गया। इस हमले में कई लोगों के सिर, कमर और पीठ में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और घायलों को अजयगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। दोनों पक्षों की ओर से थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विचार

अमेरिका की न्यायपालिका और भारत की न्यायपालिका?

अमेरिका की अदालतें सरकार के मनमाने निर्णय पर रोक लगा रही हैं। अमेरिका की अदालत को देखकर भारतीय न्यायपालिका की कलई खुलती चली जा रही है। भारत में सरकार की तानाशाही की चक्की में सब पिस रहे हैं। भारतीय न्यायपालिका ने एक तरह से सरकार के सामने समर्पण कर दिया है। अमेरिका के संवैधानिक संस्थान सरकार के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं। अमेरिका की जुडिशरी ओर वहां के जज सरकार के गलत फैसलों के सामने झुकने को तैयार नहीं है। एलन मस्क और ट्रंप की तानाशाही का असर वहां की न्यायपालिका पर नहीं पड़ रहा है। अमेरिका की न्यायपालिका जरा भी भयभीत नहीं है। अमेरिकी संविधान के अनुसार वहॉ की न्यायपालिका अपने निर्णय पूरी स्वतंत्रता के साथ ले रही है। जिसके कारण न्यायपालिका और सरकार के बीच टकराव देखने को मिल रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की नई सरकार के छह निर्णय जो एग्जीक्यूटिव ऑर्डर थे। अमेरिका के जजों ने पलट दिए हैं। इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, एलन मस्क और उपराष्ट्रपति जेड़ वेंस नाराज हो गए हैं। बेंस ने कह दिया न्यायपालिका अपनी हद पार कर गई है। वह ट्वीट करते हैं, जजों को एग्जीक्यूटिव की कानूनी शक्तियों को रोकने की इजाजत नहीं दी जाएगी।एलन मस्क ने भी ट्वीट किया। एक जज को पूरी जिंदगी जज बने रहने का विचार एक बकवास है। जजों को उठा के अटलांटिक में फेंक दो। अमेरिका की न्यायालयों ने ट्रंप सरकार के 6 फैसले पलट दिए हैं, या फैसलों पर रोक लगा दी है। बर्थ राइट सिटीजनशिप के निर्णय पर सीटल के एक जज ने रोक लगा दी। उससे पहले मैरीलैंड के एक जज ने इसी फैसले के ऊपर रोक लगा दी। तीसरे जज ने भी इस निर्णय पर रोक लगा दी। तीन जजों ने इस निर्णय को रोक दिया है। ट्रंप सरकार का दूसरा निर्णय सरकारी कर्मचारियों को बाहर निकालने का था।20 लाख सरकारी कर्मचारियों को 6 फरवरी की डेडलाइन दी गई थी। 65000 लोगों ने इसको स्वीकार किया। नौकरी से निकलने के निर्णय के खिलाफ कर्मचारी यूनियंस कोर्ट मे चले गए। कोर्ट के फेडरल जज ने सरकार के इस निर्णय पर रोक लगा दी। तीसरा निर्णय यूएस एड को खत्म करने का फैसला था।1960 के दशक में यूएस द्वारा मदद शुरू की गई थी। कई देशों में 100 से ज्यादा यूएस एड के तहत प्रोग्राम चलते हैं।वहां पर भी हजारों कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया। यह एलन मस्क का फैसला था। इस निर्णय को कोर्ट के अंदर चैलेंज किया गया।

युद्ध के प्रति भारतीय तटस्थता नहीं, बल्कि शांतिपरक पक्षधरता को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

चाहे वैश्विक युद्ध की संभावना की बात हो या विभिन्न देशों के बीच ब्रेक के बाद जारी द्विपक्षीय युद्ध की, भारत ने साफ कर दिया है कि वह ऐसे किसी भी मामले में तटस्थ नहीं, बल्कि शांति का पक्षधर है। बता दें कि अपनी हालिया अमेरिकी यात्रा (12-13 फरवरी 2025) के क्रम में भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने एक सवाल का जवाब देते हुए यह साफ कर दिया है कि रूस-यूक्रेन जंग पर भारत न्यूट्रल यानी तटस्थ नहीं है। भारत शांति का पक्षधर है। इसलिए दुनियादारी के निष्णात लोग %ह% से %हलंत% तक की अटकलें लगा रहे हैं और उनके इस वक्तव्य के अंतर्राष्ट्रीय मायने निकाले जा रहे हैं।

ऐसा इसलिए कि इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध के दौरान भी भारत का कुल मिलाकर यही नजरिया रहा है। चाहे चीन-ताइवान युद्ध की अटकलें हों या ईरान-इजरायल युद्ध की संभावनाएं, अफगानिस्तान सरकार का तालिबान के हाथों पतन हो या तुर्की के इशारे पर सीरिया की सरकार का पतन, भारत ने कभी हस्तक्षेप नहीं किया। वह हमेशा यही कहता रहा कि हम वसुधैव कुटुंबकम के पक्षधर हैं। पीएम मोदी भी लगातार कहते रहे हैं कि यह युद्ध नहीं, बुद्ध का समय है। जी हां, भगवान बुद्ध!

वैसे दुनिया को यह भी पता है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे अमन-चैन के दुश्मनों से घिरा भारत यदि उनकी बड़ी-बड़ी कायराना व हिन्दू/भारत विरोधी हरकतों को नजरअंदाज करते हुए सीधी कार्रवाई से यदि बचता आया है तो सिर्फ इसलिए कि वह युद्ध नहीं बल्कि शांति चाहता है। इन देशों का जन्म भी क्रमशः भारत और पाकिस्तान के विभाजन से हुआ है। पाकिस्तान ने आजादी हासिल करते ही कश्मीर के सवाल पर भारत से छद्म लड़ाई छेड़ दी। उसके बाद 1965 और 72 में सीधी लड़ाई लड़कर बुरी तरह से मात खाया। 1999 में भी उसने कारगिल में छद्म युद्ध छेड़ा और बुरी तरह से पीटा। उसके इशारे पर थिरकने वाले बंगलादेश की भी कुछ ऐसी ही नियति है।

उधर, 1962 में भारत के खिलाफ युद्ध लड़ चुका चीन इन दोनों देशों को प्रोत्साहन देता आया है। हालांकि, आजादी के बाद पाकिस्तान की और पाकिस्तान से आजादी हासिल करने के दौरान बंगलादेश की भारत ने दिल खोलकर मदद की, लेकिन दोनों देश भारत से सांप्रदायिक नफरत रखते हैं, इस वास्ते किसी भी हद तक गुजर जाने के लिए ततपर रहते हैं और विदेशी ताकतों की हाथों में खेलते रहते हैं। भारत इसे बखूबी समझता है। वह इन दोनों देशों में निरंतर ब्रेक के बाद जारी हिंदुओं के दमन-उत्पीड़न और हत्याओं के बावजूद इन्हें क्षमा करता आया है, ताकि इनकी सांप्रदायिक फितरत बदलते।

इतना ही नहीं, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव आदि जैसे मौकापरस्त पड़ोसी देशों से जुड़े घटनाक्रमों पर जब आप गौर करेंगे तो भारतीय धैर्य की दाद आपको देनी पड़ेगी। यदि उनके हितों का सवाल नहीं हो तो भारत ने कभी सैन्य हस्तक्षेप इन देशों के खिलाफ नहीं किया। वहीं, दुनियावी मंचों पर अमेरिका, सोवियत संघ (अब रूस), चीन आदि के मामलों में भी न तो किसी का पक्ष लिया, न किसी का विरोध किया। इन बातों का सीधा संदेश है कि जो शांति का दुश्मन है, वो भारत का दुश्मन है।

इस नजरिए से यदि देखा जाए तो आतंकवाद और उसको प्रोत्साहित करने वाले देश या उनका गुट भी भारत के दुश्मन हैं। पूरी दुनिया में हथियारों की होड़ पैदा करके एक दूसरे पर कोहराम मचाने वाले देश या उनके संरक्षक भी भारत के दुश्मन हैं।.....और शायद इसलिए भी भारत हथियारों की होड़ में शामिल हो चुका है, क्योंकि लोहा को लोहा ही काटता है। भारत का बढ़ता रक्षा कारोबार भी उसके इसी नजरिए का द्योतक है।

सीधा सवाल है कि समकालीन विश्व में शांति का दुश्मन कौन है? तो सीधा जवाब होगा कि ट्रंफ के नेतृत्व में अमेरिका भले ही %चंद्रायण व्रत% करने का संकेत लगातार दे रहा है, लेकिन मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों के लिए कहीं न कहीं उसकी नीतियां ही जिम्मेदार रही हैं। हालांकि, भारत से मित्रता के चलते अब उसका भी स्वभाव बदल रहा है।जबकि चीन ऐसा करने को राजी नहीं है। अपने साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा वश चीन अभी जो दुनियावी तिकड़म बैठा रहा है, देर-सबेर उस पर ही भारी पड़ेंगी, क्योंकि भारत की नीतियां ही ऐसी परिपक्व हैं।

वहीं, यह भी कड़वा सच है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रूस ने अब तक जो कुछ भी किया है, वह अमेरिकी रणनीतियों से अपने बचाव में किया है या फिर उसे संतुलित रखने के लिए किया है। जबकि चीन जो कुछ भी कर रहा है, वह उसकी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा है। यह भी अजीबोगरीब है कि दुनिया को आतंकवाद और आतंकवादियों का निर्यातक देश पाकिस्तान (अब बंगलादेश भी) अब अमेरिका की बजाय चीनी गोद में खेल रहा है।

यदि आप अमेरिका, रूस, चीन की बात छोड़ दें तो जापान, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, इजरायल, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, ईरान, तुर्की जैसे दूसरी पंक्ति के बहुत सारे देश हैं, जो अपनी अपनी सुविधा के अनुसार नाटो या सीटो में शामिल होते रहे। लेकिन भारत हमेशा ही गुटनिरपेक्ष रहा और गुटनिरपेक्षता की नीति को बढ़ावा दिया। यह गुटनिरपेक्षता की नीति ही शांति की गारंटी है।

दुनिया प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध के संतापों को झेल चुकी है। लेकिन तीसरा विश्वयुद्ध यदि दस्तक देते देते सहम जाता है तो उसके पीछे भारत के नेतृत्व में लामबंद तीसरी दुनिया के देश ही हैं, जो किसी की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा के समक्ष घुटने टेकने को तैयार नहीं हैं, बल्कि शांति का पैगाम देते आए हैं। जी-7, जी-20 आदि में भारत की बढ़ती भूमिका इसी बात की परिचायक है। यदि भारत ने चीनी नेतृत्व वाले %ब्रिक्स% की सदस्यता ली है तो उसके पीछे भी पुनीत भावना यही है। वहीं, अमेरिकी नेतृत्व वाले %क्वाड% में भारत की मौजूदगी दुनियावी शांति से ही अभिप्रेरित है।

इसलिए दुनिया के युद्धोन्मत देशों को यह समझ लेना चाहिए कि अंतर्राष्ट्रीय जरूरतों वश भारत उनका मित्र देश भले ही है, लेकिन उनके यौद्धिक मिजाजों का सम्बर्द्धक बनने में उसकी कोई भी दिलचस्पी नहीं है। चाहे अमेरिका हो या रूस, दोनों देशों पर यह बात लागू होती है। भारत हिंसा की दृष्टि से अभिशप्त दुनिया को %बुद्धम शरणम गच्छामि%, वसुधैव कुटुंबकम एवं सत्य-अहिंसा का संदेश देना चाहता है और इसी दिशा में मजबूती पूर्वक वह अग्रसर है।

भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त की हैं असाधारण उपलब्धियां

दिनांक 31 जनवरी 2025 को देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोकसभा एवं राज्यसभा के संयुक्त अधिवेशन को अपने सम्बोधन में, हाल ही के समय में, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त की गई उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा है कि भारत की विकास यात्रा के इस अमृतकाल को आज मेरी (केंद्र) सरकार अभूतपूर्व उपलब्धियों के माध्यम से नई ऊर्जा दे रही है। तीसरे कार्यकाल में तीन गुना तेज गति से काम हो रहा है। आज देश बड़े निर्णयों और नीतियों को असाधारण गति से लागू होते देख रहा है। और, इन निर्णयों में देश के गरीब, मध्यम वर्ग, युवा, महिलाओं, किसानों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिली है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिए गए उक्त भाषण में अंशों को जोड़कर इस लेख में यह बताने का प्रयास किया गया है कि किस प्रकार भारत में गरीब वर्ग, युवाओं, मातृशक्ति, किसानों, आदि के लिए विभिन्न योजनाएं सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं। आज आम नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं रोटी, कपड़ा और मकान के साथ साथ स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समस्त परिवारों को आवास सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार करते हुए तीन करोड़ अतिरिक्त परिवारों को नए घर देने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए 5 लाख 36 हजार करोड़ रुपए की राशि का खर्च किए जाने की योजना है। इसी प्रकार, गांव में गरीबों को उनकी आवासीय भूमि का हक देने के उद्देश्य से स्वामित्व योजना के अंतर्गत अभी तक 2 करोड़ 25 लाख सम्पत्ति कार्ड जारी किए जा चुके हैं। साथ ही, पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत लगभग 11 करोड़ किसानों को पिछले कुछ महीनों में 41,000 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया गया है। जनजातीय समाज के पांच करोड़ नागरिकों के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान प्रारंभ हुआ है। इसके लिए अस्सी हजार करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। आज मध्यम वर्ग को मकान/फ्लैट खरीदने के लिए लोन पर सब्सिडी भी दी जा रही है एवं रेरा जैसा कानून बनाकर मध्यम वर्ग के स्वयं के मकान सम्बंधी सपने को सुरक्षा दी गई है। देश के नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से आयुषमान भारत योजना चलाई जा रही है। अब इस योजना के अंतर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा देने का निर्णय लिया गया है। इन वरिष्ठ नागरिकों को प्रत्येक वर्ष में पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा आज युवाओं की शिक्षा और उनके लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा में वित्तीय सहायता देने के लिए पीएम विद्यालक्ष्मी योजना शुरू की गई है। एक करोड़ युवाओं को शीर्ष पांच सौ कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर भी दिये जाएंगे। पेपर लीक की घटनाओं को रोकने और भर्ती में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नया कानून लागू किया गया है।सहकार से समृद्धि की भावना पर चलते हुए सरकार ने 'त्रिभुवन' सहकारी यूनिवर्सिटी की स्थापना का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। जब देश के विकास का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी मिलने लगता है तभी विकास सार्थक होता

है। गरीब को गरिमापूर्ण जीवन मिलने से उसमें जो सशक्तिकरण का भाव पैदा होता है, वो गरीबी से लड़ने में उसकी मदद करता है। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत बने 12 करोड़ शौचालय, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत निशुल्क दिए गए 10 करोड़ गैस कनेक्शन, 80 करोड़ जरूरतमंदों को राशन, सौभाग्य योजना, जल जीवन मिशन जैसी अनेक योजनाओं ने गरीब को ये भरोसा दिया है कि वो सम्मान के साथ जी सकते हैं। ऐसे ही प्रयासों की वजह से देश के 25 करोड़ लोग गरीबी को परास्त करके आज अपने जीवन में आगे बढ़ रहे हैं। इन्होंने नियो मिडिल क्लास का एक ऐसा समूह तैयार किया है, जो भारत की ग्रोथ को नई ऊर्जा से भर रहा है।

उड़ान योजना ने लगभग डेढ़ करोड़ लोगों का हवाई जहाज में उड़ने का सपना पूरा किया है। जन औषधि केंद्र में 80 प्रतिशत रियायती दरों पर मिल रही दवाओं से, देशवासियों के 30 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा बचे हैं। हर विषय की पढ़ाई के लिए सीटों की संख्या में कई गुना बढ़ोतरी का बहुत लाभ मध्यम वर्ग को मिला है।

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में पच्चीस हजार बस्तियों को जोड़ने के लिए 70,000 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की हैं। आज जब हमारा देश अटल जी की जन्म शताब्दी का वर्ष मना रहा है, तब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना उनके विजन का पर्याय बनी हुई है। देश में अब 71 वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत ट्रेन चल रही हैं, जिनमें पिछले छह माह में ही 17 नई वंदे भारत और एक नमो भारत ट्रेन को जोड़ा गया है। आगे आने वाले समय में देश के आर्थिक विकास में देश की आधी आबादी अर्थात मातृशक्ति के योगदान को बढ़ाना ही होगा। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सशक्त किया जा रहा है। देश की दस करोड़ से भी अधिक महिलाओं को इसके साथ जोड़ा गया है। इन्हें कुल नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि बैंक लिंकेज के माध्यम से वितरित की गई है। केंद्र सरकार ने देश में तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने लक्ष्य निर्धारित किया है। आज एक करोड़ 15 लाख से भी अधिक लखपति दीदी एक गरिमामय जीवन जी रही हैं। इनमें से लगभग 50 लाख लखपति दीदी, बीते 6 महीने में बनी हैं। ये महिलाएं एक उद्यमी के रूप में अपने परिवार की आय में योगदान दे रही हैं। भारत में सभी के लिए बीमा की भावना के साथ कुछ महीने पूर्व ही बीमा सखी अभियान भी शुरू किया गया है। बैंकिंग और डिजी पेमेंट सखियां दूर दराज के इलाकों में लोगों को वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कृषि सखियां नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा दे रही हैं और पशु सखियों के माध्यम से देश का पशुधन मजबूत हो रहा है। आज भारत में बड़ी संख्या में महिलाएं लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, पुलिस में भर्ती हो रही हैं और कॉरपोरेट कंपनियों का नेतृत्व भी कर रही हैं। आज बालिकाओं की भर्ती राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूलों में भी प्रारंभ हो गई है।

महाकुंभ हादसा, पिता-पुत्र, जीजा-साले समेत 10 की मौत

बोलेरो को गैस-कटर से काटकर निकाली लाशें, मृतक की मां बोली-बेटा जिंदा होता तो जश्न मना रहे होते

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। यूपी के प्रयागराज में शुक्रवार रात बस और बोलेरो की भीषण टक्कर में कोरबा जिले के 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 लोग घायल हैं। मरने वालों में पिता-पुत्र और जीजा-साले शामिल हैं। ये सभी महाकुंभ स्नान के लिए जा रहे थे। हादसा प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर हुआ।

घायल हुए 19 लोग बस में सवार थे, जो कि मध्य प्रदेश रहने वाले हैं। बोलेरो बुरी तरह डैमेज हो गई है। श्रद्धालु छिटककर सड़क पर जा गिरे। किसी का हाथ टूटा तो किसी का सिर फट गया। बोलेरो सवार कोई भी जिंदा नहीं बचा है। 7 अलग-अलग परिवार के लोगों की जान गई है।

बोलेरो को गैस कटर से काटकर लाशों को बाहर निकाला गया। परिजन 5 एंबुलेंस में सभी डेडबॉडी को लेकर निकल गए हैं, जो रात तक कोरबा पहुंचेंगे। वहीं मृतक सौरभ कि मां ने कहा कि उनके बेटे और अन्य समर्थक जीवित होते तो आज जीत का जश्न मना रहे होते, लेकिन अब शवों का इंतजार कर रहे हैं।

संतोष और सौरभ पिता-पुत्र हैं, जिनकी हादसे में जान गई: मरने वाले दर्री के कलमीडुग्गू और जांजगीर के रहने वाले थे। इनमें संतोष और सौरभ पिता-पुत्र हैं। भागीरथी और ईश्वरी जीजा साले हैं। सभी नवनिर्वाचित पार्षद राधा बाई महंत के समर्थक थे। वह मतगणना स्थल से घर लौटते समय रोती रहीं। राधा ने कहा कि समर्थकों को खोकर ऐसा लग रहा है कि जीतकर भी हार गई।

अब जानिए कैसे हुआ भीषण हादसा: यमुनापार एसपी विवेक यादव ने बताया कि बोलेरो में सभी पुरुष सवार थे। इसकी स्पीड बहुत ज्यादा थी। बस वाले ने ब्रेक लगाया, लेकिन सामने से आ रही बोलेरो बस में सामने से भिड़ गई। कमिश्नर तरुण गाबा और कलेक्टर रविंद्र कुमार मांदड़ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया।

वहीं कोरबा कलेक्टर अजीत बंसल ने कहा कि प्रयागराज पुलिस से हम संपर्क में हैं। एसपी ने वहां की पुलिस से बात की है। प्रयागराज से कोऑर्डिनेट करके हम आगे की कार्रवाई करेंगे।

गैस कटर से बोलेरो की बॉडी काटी, तब शव निकल पाए: प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि टक्कर की आवाज सुनकर हम लोग दौड़कर पहुंचे। देखा कि बोलेरो से शव बुरी तरह फंसे हुए थे। खून से लथपथ लोग तड़प रहे थे। उन्होंने फौरन पुलिस को सूचना दी। पुलिस गैस कटर और एम्बुलेंस लेकर मौके पर पहुंची।

बोलेरो को गैस कटर से काटा गया। तब जाकर शवों को बाहर निकाला गया। कई शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे। बैग से मिले आधार कार्ड से पुलिस ने दो शवों की पहचान ईश्वरी प्रसाद जायसवाल और सोमनाथ दरी के रूप में की।

हादसे के वक्त बस सवार ज्यादातर लोग सो रहे थे: घायल श्रद्धालु रोडमल ने बताया कि हादसे के वक्त बस में सवार ज्यादातर लोग सो रहे थे। अचानक भीषण टक्कर हुई। उस समय मैं जाग रहा था और बस के केबिन में बैठा था। बेकाबू बोलेरो सामने से बस से भिड़ गई। गनीमत रही कि मैं किसी तरह बच गया।

पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंपे गए शव: सीएमओ डॉक्टर एके तिवारी ने बताया था कि मैं यहां शनिवार सुबह 4 बजे से हूं। 3 डेडबॉडी को सुबह 5 और 2 को 8 बजे लाया गया। पांच डेडबॉडी जाम में फंसी रहीं। सुबह 11 बजे लाया गया। सभी डेडबॉडी को कोल्ड रूम में रखवाया गया था, जहां से पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

यूपी सरकार ने बस सवार यात्रियों को मध्य प्रदेश भेजा: बस में सवार यात्री भंवरलाल पाल निवासी पिपलिया पाल तहसील सारंगपुर ने फोन पर बताया कि सभी सवारी सुरक्षित हैं। उज्जैन की बस को अमलावता गांव निवासी रोड़मल बंजारा ने हायर किया था, जिसमें सारंगपुर क्षेत्र के पिपलिया पाल और खजुरिया गांव के लोग सवार होकर कुंभ में गए थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और सीएम योगी ने दुख जताया: सड़क हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और सीएम योगी ने दुख जताया है। राष्ट्रपति ने कहा- समाचार अत्यंत दुखद है। मृतकों के परिवारों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

सीएम साय ने 10 मौत पर जताया दुख: वहीं छत्तीसगढ़ के सीएम साय ने भी दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया लिखा कि 10 श्रद्धालुओं के निधन की खबर से मन व्यथित है। कोरबा जिला प्रशासन को स्थानीय प्रशासन से समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

ट्रैक्टर की चपेट में आया 8 साल का बच्चा, मौत

नाबालिग चला रहा था वाहन, चुनाव प्रचार में निकले थे सभी

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आने से एक 8 साल के बच्चे की मौत हो गई। करतला थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत ढोंग दरहा की घटना है। मृतक आर्यन ट्रैक्टर में बैठा था नीचे गिरने पर वह पहिए के नीचे आ गया। जानकारी के मुताबिक, गांव के लोग ट्रैक्टर में सवार होकर सरपंच प्रत्याशी के लिए चुनाव प्रचार करने निकले थे। जिस ट्रैक्टर में हादसा हुआ उसे नाबालिग चला रहा था, चलती गाड़ी में चढ़ने के दौरान वह नीचे गिर गया और पहिए के नीचे आ गया। घटना के बाद मृतक को जिला मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिला अस्पताल चौकी प्रभारी दाऊद कुजूर ने बताया कि मेडिकल कॉलेज से प्राप्त मेमो के आधार पर परिजनों का बयान दर्ज किया गया है।

ये है पूरी घटना: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए ग्राम पंचायत ढोंग दरहा में गांव वाले ट्रैक्टर में सवार होकर प्रचार करने निकले थे। लौटते समय एक ट्रैक्टर सरपंच प्रत्याशी के बड़े भाई का नाबालिग पुत्र चला रहा था, उसकी चपेट में आर्यन आ गया।

घटना की सटीक परिस्थितियां स्पष्ट नहीं: परिजनों ने बताया कि आर्यन ट्रैक्टर में ही बैठा हुआ था और अचानक पहिए के नीचे आ गया। बता दें कि घटना के समय की सटीक परिस्थितियां अभी स्पष्ट नहीं हैं।

माता-पिता का इकलौता बेटा था आर्यन: मृतक आर्यन कक्षा दूसरी का छात्र था, वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसके पिता उमाशंकर दैनिक मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार में एक बड़ी बहन भी है, जो अभी पढ़ाई कर रही है।

ट्रैक्टर मालिक और चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग: मृतक के परिजनों ने ट्रैक्टर मालिक और चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। विशेष रूप से इस बात पर नाराजगी जताई गई है कि घटना के बाद से सरपंच प्रत्याशी मलिक राम ने इस मामले में कोई रुचि नहीं दिखाई और न ही कोई जानकारी ली।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 के मतदान दल रवाना

शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए किया है पुख्ता तैयारी : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के तहत विकासखंड खड़गवां में मतदान दलों को मतदान सामग्री के साथ मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। 24 बसों और 1 बोलेरो वाहन के माध्यम से इन दलों को निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी हेतु रवाना किया गया। इस अवसर पर सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, वाहन व्यवस्था नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी की उपस्थिति रही। मतदान प्रक्रिया को सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए पुलिस बल, राजस्व विभाग एवं पंचायत विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी निर्वाचन अधिकारी द्वारा सुनिश्चित की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) ने 17 फरवरी को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता तैयारियों का निरीक्षण किया। वहीं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। मतदाताओं की सुविधा के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं, साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया गया है। चुनाव के दौरान सेक्टर अधिकारियों की 11 टीमों को विभिन्न मतदान केंद्रों पर तैनात किया गया है, जो मतदान प्रक्रिया की सतत निगरानी करेंगी। निर्वाचन आयोग ने सभी मतदान कर्मियों को सतर्क और निष्पक्ष तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया है ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया जा सके।

जिंदा जला पंजाब का ट्रक ड्राइवर

कोयला लोड ट्रेलर ने ट्रक को मारी टक्कर, दोनों गाड़ियों में लगी आग, केबिन में फंसा रहा

मीडिया ऑडीटर, आरंग (एजेंसी)। रायपुर के आरंग में कोयला लोड ट्रेलर ने जिप्सम से भरे ट्रक को टक्कर मार दी। इससे ट्रेलर और ट्रक में आग लग गई। ट्रेलर ड्राइवर की जिंदा जलने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ड्राइवर निकल नहीं सका, वह केबिन में ही फंसा रह गया। मामला आरंग थाना क्षेत्र के पारागांव का है।

मिली जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह 4 बजे नेशनल हाईवे 53 पर हादसा हुआ है। मृत ड्राइवर का नाम निशान सिंह (26) है, जो पंजाब के तरणतारण जिले का रहने वाला था।

अब जानिए कैसे हुआ हादसा: दरअसल, जिप्सम से लदे ट्रक का टायर फट गया था, जिसकी वजह से ट्रक सड़क किनारे खड़ा था। ड्राइवर और हेल्पर दोनों उतर गए थे। वे ट्रक के किनारे पत्ते और पत्थर लगाने ही वाले थे कि तभी कोयला लोड ट्रेलर तेज रफ्तार से आया। उसने खड़े ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। ट्रक के ड्राइवर और हेल्पर ने हादसे की सूचना तत्काल पुलिस को दी। पुलिस, एसडआरएफ, हाइवे पेट्रोलिंग और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ड्राइवर की मौत हो चुकी थी।

ड्राइवर और हेल्पर के मुताबिक हादसा इतना भयंकर था कि गाड़ियों में तुरंत आग लग गई। वह गाड़ी से नीचे थे, इसलिए उनकी जान बच गई। अगर वह भी गाड़ी में होते तो जिंदा जल जाते।

गाड़ी के आसपास पत्ते लगाए जा रहे थे: सीएसपी लंबोदर पटेल ने बताया कि ट्रक महासमुंद से रायपुर की ओर आ रहा था। वहीं ट्रेलर रायपुर की ओर से आ रहा था। ट्रक के टायर फटने के 5 से 10 मिनट के बाद भी ट्रेलर ने टक्कर मारी है। ट्रेलर का केबिन गाड़ी से चिपक गया है।

पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा शव: सीएसपी ने बताया कि इस दौरान दोनों गाड़ियों को हटाने के लिए रूट डायवर्ट किया गया था। कुछ देर के लिए गाड़ियों की कतार लग गई थी। लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए रायपुर के मेकाहारा अस्पताल भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

महिला टीचर ने हेडमास्टर को चप्पल से पीटा

स्कूल में फर्नीचर हटाने पर भड़की शिक्षिका, बोली- मैं मार दूंगी सर, तमीज से बात करिए

मीडिया ऑडीटर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में महिला टीचर ने हेड मास्टर को चप्पल से पीटा है। बताया जा रहा है कि पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। इस दौरान अर्चना टोप्पो ने भीष्म त्रिपाठी को चप्पल से पीट दिया। मामला धनौली शासकीय प्राथमिक शाला का है। इस दौरान हेड मास्टर भीष्म त्रिपाठी ने चप्पल से पिटाई का वीडियो भी बनाया, जिसमें अर्चना टोप्पो उनके साथ बदसलूकी करती नजर आ रही हैं। वह कह रही हैं कि सर मैं मार दूंगी, तमीज से बात करिए।

अब जानिए क्या है पूरा मामला: दरअसल, 17 फरवरी को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होना है। स्कूल में मतदान केंद्र बनाया जाना है। वोटिंग की तैयारियों को लेकर हेडमास्टर ने स्कूल का फर्नीचर एक तरफ रखवाया था। इसी दौरान 15 फरवरी को सहायक शिक्षिका अर्चना टोप्पो वहां पहुंची। फर्नीचर हटाए जाने से नाराज होकर विवाद करने लगीं। अर्चना टोप्पो और भीष्म त्रिपाठी में विवाद इतना बढ़ गया कि महिला टीचर ने हेडमास्टर को चप्पल पीट दिया।

जानिए वायरल वीडियो में क्या है: वीडियो में दिख रहा है कि अर्चना टोप्पो ने कह रहीं हैं मैं मार दूंगी सर आपको, तमीज से बात किया करिए। मैंने आपसे मेरी क्लास की किताब रखने को कहा था, आपने वहां क्या किया है?। इस पर हेडमास्टर कह रहे हैं कि मैं ऑफिस में क्यों रखवाऊं, व्यवस्थित रखवा रहा हूं तो क्या दिक्कत है? वह कह रहे हैं कि कक्षा में बूथ की जिम्मेदारी मुझे मिली है। आपका सामान दूसरे कमरे में रखवा रहा हूं, तो क्या दिक्कत है?। वहीं एक दूसरा वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बच्चे भी कहते नजर आ रहे हैं कि महिला टीचर ने चप्पल पीटा है।

अधिकारियों के सामने भी टीचर ने किया अभद्र व्यवहार: हेडमास्टर ने वीडियो बनाकर संकुल के अधिकारियों को भेजा। टीचर ने हेडमास्टर से भी अभद्र व्यवहार किया। जांच में मारपीट की बात सही निकली है। प्रधानपाठक भीष्म त्रिपाठी ने मामले की शिकायत गौरेला थाना और कलेक्टर से की है। मामले में थाना प्रभारी नवीन बोरकर ने कहा कि थाने में शिकायत की गई। हमारी टीम जांच कर रही है। विभागीय जांच के लिए प्रतिवेदन मांगा गया है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को 100 मीटर तक घसीटा, सड़क हादसे में युवक की मौत, हिरासत में ड्राइवर

मीडिया ऑडीटर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (एजेंसी)। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। पेंड्रा के कोटमी-मरवाही मुख्य मार्ग पर रूमगा के पास यह हादसा हुआ, जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। कोटमी चौकी का मामला है। मृतक की पहचान कोरबा निवासी रमन सिंह (28) के रूप में हुई है, जो बाइक से अपने घर की ओर जा रहा था। हादसे की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद ट्रक बाइक को लगभग 100 मीटर तक घसीटता रहा।

हिरासत में ट्रक चालक: घटना की सूचना मिलते ही कोटमी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है और ट्रक को जब्त कर लिया है। पेंड्रा थाना प्रभारी गंगा प्रसाद बंजारे के नेतृत्व में पुलिस टीम मामले की गहन जांच कर रही है।

नाबालिग छात्रा से छेड़खानी, 2 गिरफ्तार

स्कूल जाते समय रास्ता रोककर की बदसलूकी, कोर्ट ने भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर के रतनपुर क्षेत्र में छात्रा से स्कूल के रास्ते में छेड़खानी का मामला सामने आया है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर 2 युवकों को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

रतनपुर क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीण ने बताया कि उनकी बेटी 27 जनवरी को घर से स्कूल जाने के लिए निकली। इसी दौरान रास्ते में परसौड़ी परसदा में रहने वाले प्रताप सूर्यवंशी (23) और करण सूर्यवंशी (21) ने बेटी को रोककर छेड़खानी की। घटना की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। इस बीच आरोपी अपने ठिकाने से फरार हो गए। जांच के दौरान पता चला कि दोनों आरोपी अपने घर पर छुपे हैं। पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से रिमांड पर आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

नौकरी जिहाद की शिकायत

कहा- जॉब के बहाने हिंदू महिलाओं से गलत काम करवाया जा रहा, साइबर सेल जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में हिंदू लड़कियों को नौकरी लगाने के नाम पर उन्हें गलत काम में धकेलने की शिकायत सिविल लाइन थाना में की गई है। वहीं इस मामले में सिविल लाइन थाना पुलिस और साइबर सेल की टीम जांच में जुट गई है। सिविल लाइन थाना प्रभारी रोहित मालेकर ने बताया कि शिकायत में जो नंबर दिए गए है उन नंबर की जांच की जा रही है।

शंकर नगर के रहने वाले सामाजिक कार्यकर्ता निश्चय बाजपेयी ने अपनी शिकायत बताया कि मोबाइल नंबर 9616536517 से मैसेज कर हिंदू लड़कियों को नौकरी लगाने की बात कही जा रही है। और यह एक तरह का 'नौकरी जिहाद' है। पुलिस ने बताया कि जो नंबर दिया गया है। वह बंद आ रहा है। जिसके संबंध में साइबर सेल से जानकारी प्राप्त की गई। नंबर भंवर पाल सहारनपुर यूपी के नाम पर रजिस्टर्ड है ।

महिलाओं को गलत रास्ते पर डालने की कोशिश: निश्चय बाजपेयी ने अपनी लिखित शिकायत में कहा है कि नौकरी दिलाने के नाम पर भोली-भाली हिंदू बेटियों और बहनों को झांसा दिया जा रहा है। सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म के माध्यम से ये अपना नाम बदलकर संपर्क करते हैं। महिलाओं को झूठा आश्वासन देते हैं कि वे उन्हें नौकरी दिलवाएंगे। निश्चय ने कहा कि विशेष समुदाय द्वारा सोची-समझी रणनीति के तहत यह किया जा रही है, ताकि हिंदू समाज की महिलाओं को निशाना बनाया जा सके। इस प्रकार की घटनाओं को 'नौकरी जिहाद' के रूप में देखा जा रहा है, जहां विशेष समुदाय के लोग जानबूझकर महिलाओं को गलत रास्ते पर डालने की कोशिश कर रहे हैं।

स्क्रीनशॉट भी भेजा गया: बाजपेयी ने बताया कि रायपुर के देवेंद्र नगर थाने में ऐसे ही ठगी के मामले में एफआईआर दर्ज हुई है। धमतरी में भी एक मामला सामने आया है। मेरे नंबर पर भी इसी प्रकार का मैसेज आया है। जिसमें नंबर चलाने वाला खुद को एक हिंदू लड़की के नाम से बताया जाता है जो गलत है।

यूनिपोल घोटाले में ग्रेसफुल मीडिया का टेंडर रद्द

कंपनी से बकाया राशि वसूलने अंतिम नोटिस, भुगतान नहीं करने पर संपत्ति की जाएगी जब्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर यूनिपोल घोटाले मामले में नगर निगम ने ग्रेसफुल मीडिया का टेंडर रद्द कर दिया है। साथ ही, कंपनी पर बकाया विज्ञापन शुल्क का भुगतान न करने के कारण 30 मिनी यूनिपोल, अन्य यूनिपोल और कंपनी की संपूर्ण विज्ञापन संपत्ति (इन्वेंटरी) को राजसात करने का निर्णय लिया है। साथ ही, निगम की ओर से कंपनी को तय समयसीमा के अंदर बकाया राशि जमा करने के लिए अंतिम नोटिस जारी किया गया है। निर्धारित समय सीमा में बकाया राशि जमा नहीं की गई तो निगम कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी।

27 करोड़ से अधिक का घोटाला: दरअसल, पूर्व मेयर एजाज ढेबर ने निगम में 27 करोड़ के यूनिपोल घोटाले का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि यूनिपोल लगाने वाली कंपनी ग्रेसफुल मीडिया प्राइवेट लिमिटेड को नियम विरुद्ध तरीके से अनुमति दी गई और तय संख्या से ज्यादा यूनिपोल लगाने, जगह बदलने, कम रेट पर मंजूरी देने जैसी कई तरह की विसंगतियां शामिल थी। इस मामले में निगम और राज्य शासन ने एक समिति बनाई है। दोनों समितियां मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही हैं।

बकाया शुल्क वसूली के लिए प्रस्तावित कार्रवाई: नगर निगम ने राजस्व वसूली और वित्तीय अनुशासन लागू करने के लिए निम्नलिखित कठोर कदम उठाने का निर्णय लिया है। नगर निगम द्वारा एक विशेष समिति का गठन किया जाएगा, जो एजेंसी से बकाया राशि वसूली की प्रक्रिया की निगरानी करेगी। यह समिति ग्रेसफुल मीडिया के आय का विश्लेषण कर प्रभावी वसूली उपायों की सिफारिश करेगी।

ग्रेसफुल मीडिया का विज्ञापन पंजीकरण (लाइसेंस) रद्द कर दिया जाएगा, जिससे वह नगर निगम क्षेत्र में कोई भी विज्ञापन गतिविधि संचालित नहीं कर सकेगी। एजेंसी को ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा, जिससे वह भविष्य में निगम की किसी भी टेंडर में भाग नहीं ले सकेगी। कंपनी समय पर भुगतान नहीं करेगी तो विज्ञापन संपत्ति पूर्ण राजसात किया जाएगा। इससे पहले निगम की ओर 30 मिनी यूनिपोल राजसात किए जा चुके हैं और अगले 10 दिनों में बची हुई सभी विज्ञापन संपत्तियों को भी राजसात किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि यदि एजेंसी ने निगम क्षेत्र में ग्रेसफुल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से बिजली कनेक्शन लिया है, और समय पर भुगतान नहीं किया जाएगा तो कंपनी सीएसपीडीसीएल (छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड) को पत्र भेजकर इन कनेक्शनों को तत्काल काटने के निर्देश दिए जाएंगे। यदि एजेंसी निर्धारित समयसीमा में बकाया राशि जमा नहीं करती है, तो एजेंसी की बैंक खातों और संपत्तियों को जब्त करना। न्यायालय में वित्तीय वसूली का मुकदमा भी दायर किया जाएगा।

दिल्ली के नए सीएम का नाम कल तय होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में नए सीएम का नाम कल (सोमवार) को तय हो जाएगा। कल दोपहर भाजपा कार्यालय में विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इसकी जानकारी दी है। भाजपा 70 में से 48 सीटें जीतकर 27 साल बाद सत्ता में वापसी कर रही है। नई सरकार 19 या 20 फरवरी को शपथ ले सकती है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा पहले ही साफ कर चुके हैं कि मुख्यमंत्री निर्वाचित विधायकों में से होगा। भाजपा ने 71% सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया है। ऐसे में शपथ ग्रहण समारोह एक ग्रैंड इवेंट की तरह हो सकता है। इसमें प्रधानमंत्री के अलावा कैबिनेट और पार्टी के बड़े नेता शामिल होंगे। साथ ही भाजपा और एनडीए शासित 21 राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम भी आएंगे। 21 राज्यों में भाजपा या एनडीए की सरकार दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के बाद 28 राज्यों और विधानसभा वाले 3 केंद्र शासित प्रदेशों में से 21 में भाजपा या एनडीए की सरकार हो गई है। इसके साथ ही भाजपा ने 2018 की में स्थिति वापस आ गई है। तब भी देश में भाजपा या इसके की 21 राज्यों तक पहुंच थी।

भगदड़ में बेटी के सिर में कील घुसी, मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात को मची भगदड़ में 11 महिलाओं और 5 बच्चों समेत 18 लोगों की मौत हो गई। इसमें उत्तर प्रदेश के उन्नाव के रहने वाले ओपिल सिंह की 7 साल की बेटी रिया भी थी। भगदड़ के दौरान रिया के सिर में कील घुस गई, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। सिंह दिल्ली में मजदूरी करते हैं। उन्होंने बताया कि हम अपने घर जा रहे थे। टिकट भी कंफर्म था, लेकिन भीड़ इतनी ज्यादा थी कि हमने घर लौटने का फैसला किया। सिंह ने बताया- मैं अपनी पत्नी और बेटी के साथ 14 नंबर प्लेटफॉर्म से नीचे उतरा, लेकिन भीड़ देखकर वापस आने लगा। मैंने पत्नी से कहा कि भीड़ ज्यादा है, घर चलते हैं। बच्ची का हाथ छूटा, कील सिर में घुसी ओपिल ने बतायाकि भीड़ इतनी है कि न ट्रेन में चढ़ नहीं पाएंगे। छोटे-छोटे बच्चे हैं, सोने की भी जगह नहीं मिलेगी। इसके बाद हम जैसे ऊपर चढ़ने लगे 6 सीढ़ी बची होगी तब अचानक ऊपर से आ रही भीड़ की वजह से मेरी बेटी फंस गई। ऊपर से 5 से 6 हजार की भीड़ नीचे आ रही थी। लोग एक-दूसरे के ऊपर गिर रहे थे। संभलने का मौका नहीं मिला। सिंह ने बताया कि उनकी बच्ची का हाथ उनके हाथ से छूट गया और वो सीढ़ी के साथ वाले खाली हिस्से में घुस गई, जहां भीड़ की दबाव की वजह से लोहे की कील उसके सिर में घुस गई। खून अंदर जम गया, पूरा काला पड़ गया था

मुख्यमंत्री ने किया लोधा समाज के सामाजिक भवन का भूमि-पूजन

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीराम की परंपरा से जुड़ने वाले लोधा समाज ने अपने संस्कारों, परिश्रम और पराक्रम से प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब-युवा-अन्नदाता और नारी के सशक्तिकरण अर्थात ज्ञान पर ध्यान के परिणाम स्वरूप सभी समाज, समर्थ और सक्षम हो रहे हैं और भारतीय संस्कृति एवं सनातन की ध्वजा सर्वत्र लहरा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर ही देश में पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। लोधा समाज द्वारा प्रदेश की राजधानी में बनाया जा रहा सामाजिक भवन, मांगलिक कार्यक्रमों की आयोजन स्थली बनने के साथ ही समाज के युवाओं को बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण आदि प्राप्त करने के लिए मूलभूत सुविधाएं प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामाजिक भवन के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा की तथा कहा कि राज्य सरकार सामाजिक गतिविधियों के लिए हर संभव सहयोग देने के लिए तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को लोधा समाज के सामाजिक भवन के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य शासन द्वारा किसानों की आय बढ़ाने और उनकी सुविधा के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों की जमीन संबंधी सभी कार्य घर बैठे हों, इस उद्देश्य से प्रदेश में साइबर तहसील की व्यवस्था आरंभ की गई है। किसानों को बड़े बिजली के बिलों से मुक्ति दिलाने के लिए सोलर पंप सुविधा का विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश के सभी अंचलों में सिंचाई सुविधा के विस्तार के लिए केन-बेतवा लिंक परियोजना के साथ ही चंबल-कालीसिंध-पार्वती नदियों को जोड़ने का काम शुरू हो गया है। किसानों के लाभ के लिए ही गेहूं का समर्थन मूल्य 2600 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से दूध पर बोनस देने की व्यवस्था भी की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध कराने के लिए औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश में क्षेत्रीय स्तर पर इंडस्ट्री समिट का क्रम आरंभ किया गया।

अब 24-25 फरवरी को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट होने जा रही है।

दिल्ली स्टेशन भगदड़, महाकुंभ जा रहे 18 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात करीब 9:26 बजे भगदड़ से 18 लोगों की मौत हो गई। इनमें 14 महिलाएं और 3 बच्चे हैं। 25 से ज्यादा लोग घायल हैं। मृतकों को दिल्ली के आरएमएल अस्पताल लाया गया था। स्टाफ सूत्रों के मुताबिक, ज्यादातर शवों के सीने और पेट में चोटें थीं। उनकी दम घुटने से जान गई। हादसा प्लेटफॉर्म नंबर 13, 14 और 15 के बीच हुआ। महाकुंभ जाने के लिए स्टेशन पर शाम 4 बजे से भीड़ जुटने लगी थी। रात को करीब 8:30 बजे प्रयागराज जाने वाली 3 ट्रेनें लेट हो गईं, जिससे भीड़ बढ़ी। चश्मदीद के मुताबिक, गाड़ी का प्लेटफॉर्म 14 से 16 नंबर बदला गया। इससे भगदड़ मची। हादसे की जांच के लिए रेलवे ने दो सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। इसमें उत्तर रेलवे के दो अधिकारियों नरसिंह देव और पंकज गंगवार को शामिल किया गया है। कमेटी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सभी वीडियो फुटेज को सुरक्षित करने का आदेश दिया है। वहीं, दिल्ली पुलिस ने भी घटना की जांच शुरू कर दी है। जांच की जिम्मेदारी डीसीपी रैंक के अफसर को दी गई है। दिल्ली एनसीआर के ज्यादातर टीटी को नई दिल्ली स्टेशन बुलाया गया है। इन सभी को प्लेटफॉर्म पर व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी दी गई है।

इससे पहले 29 जनवरी को प्रयागराज के महाकुंभ में 30 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, 10 फरवरी 2013 को कुंभ के दौरान प्रयागराज स्टेशन पर भगदड़ मची थी। हादसे में 36 लोग मारे गए थे।

महाकुंभ- संगम में दो नावें टकरा कर पलटीं

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में आज रविवार की छुट्टी होने के चलते जबरदस्त भीड़ है। चेन बनाकर पुलिसकर्मी भीड़ के आगे चल रहे हैं। इससे भीड़ धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए ये तरीका अपनाया जा रहा है।

संगम में श्रद्धालुओं से भरी एक नाव दूसरी नाव से टकरा कर पलट गई। पांच लोग डूबने लगे। एनडीआरएफ ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाला।

सुरक्षा में लगे जवान जगह-जगह रस्सी लगाकर श्रद्धालुओं को रोककर दूसरे घाटों की ओर डायवर्ट किया जा रहा है। भीड़ की वजह से 8वीं तक के स्कूलों में 4 दिन की छुट्?टी और बढ़ा दी गई है। अब 20 फरवरी तक स्कूल बंद रहेंगे।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय रविवार को इटावा में थे। मीडिया ने उनसे पूछा कि राहुल और प्रियंका कब महाकुंभ जाएंगे। अजय राय ने कहा- 19 फरवरी को हम लोग जा रहे हैं। हर-हर महादेव होगा।

अमेरिका ने 116 और भारतीयों को जबरन लौटाया

अमृतसर (एजेंसी)। अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे 116 और भारतीयों को जबरन भारत भेज दिया गया। अमेरिकी एयरफोर्स का विमान ग्लोबमास्टर शनिवार देर रात 11.30 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा।

इस बार महिलाओं-बच्चों को छोड़कर सभी पुरुषों को हाथों में हथकड़ियां और पैरों में बेड़ियां डालकर विमान में बैठाया गया था। एयरपोर्ट पर ही उनके परिवार से मुलाकात कराई गई। करीब 5 घंटे की वैरिफिकेशन के बाद पुलिस की गाड़ियों में सभी को घर छोड़ा गया। इस दौरान किसी को भी मीडिया से बातचीत नहीं करने दी गई।

इससे पहले 5 फरवरी को 104 अप्रवासी भारतीयों को जबरन लौटाया जा चुका है। इनमें बच्चों को छोड़कर महिलाओं-पुरुषों को हथकड़ियों और बेड़ियों में जकड़कर लाया गया था। इस तरह अब तक 220 अवैध अप्रवासी भारतीयों को भारत भेजा जा चुका है। तीसरा बैच आज (16 फरवरी) रात 10 बजे आएगा।

इसमें 157 अप्रवासी भारतीय होंगे।

तेलंगाना सीएम बोले- मोदी जन्म से ओबीसी नहीं

हैदराबाद (एजेंसी)। भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने शनिवार को पीएम मोदी की जाति पर दिए बयान को लेकर तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने कहा- रेवंत रेड्डी दुविधा में फंस गए हैं। वो वही बोलते हैं जो कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी उन्हें भेजते हैं। उन्होंने कहा, तेलंगाना की पिछली सरकार ने राज्य पर 8 लाख करोड़ रुपए का कर्ज चढ़ाया। रेड्डी के सत्ता में आने के बाद कर्ज में 1 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है। सरकार तेलंगाना को संभालने में विफल रही है। रेवंत रेड्डी जनता का ध्यान भटकाने और उन्हें गुमराह करने के लिए ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने 14 फरवरी को कांग्रेस के एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी की जाति को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने ये बयान तेलुगु में दिया था।

बीजेपी बोली- पीएम मोदी की मोढ़ घांची जाति 1994 से ओबीसी बीजेपी के ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. लक्ष्मण ने कहा- पीएम मोदी की जाति पर रेड्डी का बयान पूरी तरह गलत है। इससे पहले राहुल गांधी ने भी ऐसा बयान दिया था, जिससे उनकी छवि को नुकसान हुआ था।

अयोध्या जा रहे मां-बेटे समेत 4 श्रद्धालुओं की मौत

बाराबंकी (एजेंसी)। बाराबंकी में बस और टेंपो ट्रैवलर की टक्कर हो गई। हादसे में 4 श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। 6 घायल हैं।

हादसा रविवार सुबह 5 बजे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर लोनी कटरा थाना क्षेत्र के फूटहा भवनियपुर गांव के पास हुआ। छत्तीसगढ़ से अयोध्या जा रही बस खराब होने के चलते हाईवे पर किनारे खड़ी थी। इसी दौरान महाराष्ट्र से अयोध्या जा रही टेंपो ट्रैवलर ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि ट्रैवलर के अंदर बैठे सभी श्रद्धालु फंस गए।

पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने टेंपो ट्रैवलर को गैस कटर से काटकर शवों और घायलों को निकाला। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। 120 की स्पीड से टकराई ट्रैवलर पुलिस ने बताया सभी मृतक महाराष्ट्र के हैं। मृतकों में दो महिला और दो पुरुष हैं। इनके नाम दीपक, सुनील बाडमेर, अनुसुइया और जयश्री हैं। सुनील बाडमेर और अनुसुइया मां-बेटे हैं।

कर्नाटक कांग्रेस में घमासान

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर मांग तेज हो गई है। पार्टी के कई नेता राज्य के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की मांग कर रहे हैं।

राज्य के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने मल्लिकार्जुन खड़गे और केसी वेणुगोपाल से मुलाकात करके प्रदेश अध्यक्ष बदलने की मांग की है। वे इस पद के मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, यह बदलाव साल के अंत तक हो सकता है। इस साल उन्हें सीएम बनाए जाने की भी संभावना है। हालांकि, शिवकुमार ने इस मामले पर अब तक चुप्पी साध रखी है।

वहीं, कैबिनेट मंत्री केएन राजन्ना ने कहा कि शिवकुमार को लोकसभा चुनाव तक प्रदेश अध्यक्ष बनाए रहने की बात हुई थी। लेकिन सिद्धारमैया ढाई साल तक ही मुख्यमंत्री होंगे, यह साफ नहीं है। राजन्ना ने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के 2023 के बयान का हवाला देते हुए यह कहा है।

केसी वेणुगोपाल ने ढाई-ढाई साल के फॉर्मूला के 2023 में कहा था कि पावर शेयरिंग फॉर्मूले का मतलब इसे कर्नाटक के लोगों से साझा करना है। कर्नाटक के गृह मंत्री बोले- सिद्धारमैया को 5 साल के लिए मुख्यमंत्री चुना गया

नगर निगम-पंचायत में 56.6 फीसदी मतदान

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में जूनागढ़ महानगरपालिका, 68 नगर पालिकाओं और तीन तालुका पंचायतों के चुनाव के लिए आज यानी कि 16 फरवरी को मतदान हुआ। शाम 6 बजे तक औसतन 56.60 प्रतिशत मतदान हुआ, जो पिछले चुनाव की तुलना में 8.4 फीसदी कम है। मतदान के बाद 5 हजार से अधिक उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। मतगणना 18 फरवरी को होगी।

राज्य चुनाव आयोग के अनुसार, इस दौरान विभिन्न स्थानीय और शहरी निकायों की खाली सीटों के लिए भी उपचुनाव कराए गए। राज्य चुनाव आयोग के अनुसार, मतदान रविवार को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे के बीच हुआ। तीन तालुका पंचायतें गांधीनगर, कठलाल और कपड़वंज हैं, जहां चुनाव हुए। यह चुनाव इसलिए भी जरूरी है क्योंकि गुजरात सरकार ने 2023 में पंचायतों और नगर पालिकाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की थी। इस फैसले के बाद यह पहला स्थानीय निकाय चुनाव है। बीजेपी ने दावा किया है कि जूनागढ़ महानगरपालिका की 8 सीटों समेत विभिन्न स्थानीय निकायों की 213 सीटों पर उसका निर्विरोध जीतना तय है।

अनिल विज को पंजाब के एनआरआई मंत्री ने सुनाई खरी-खोटी

अमृतसर (एजेंसी)। अमेरिका से डिपोर्ट हरियाणवियों को अमृतसर एयरपोर्ट से लेने के लिए हरियाणा सरकार की ओर से भेजी गई जाली लगी पुलिस वैन। इसे लेकर ही पंजाब कैबिनेट के मंत्री धालीवाल ने अनिल विज पर निशाना साधा।

अमेरिका से डिपोर्ट किए गए हरियाणा के लोगों को लाने के लिए भाजपा सरकार ने अमृतसर एयरपोर्ट पर कैदी वैन भेज दी। इससे पंजाब सरकार में आम आदमी पार्टी सरकार के एनआरआई मंत्री कुलदीप धालीवाल भड़क गए। उन्होंने कैदी वैन की वीडियो बनाई और सीधे हरियाणा के ट्रांसपोर्ट मंत्री अनिल विज को घेर लिया। धालीवाल यहीं नहीं रुके। उन्होंने हरियाणा में सीएम नायब सैनी की अगुआई वाली भाजपा सरकार को नसीहत देते हुए कहा- अमेरिका से भेजे गए हरियाणा के युवाओं को ले जाने के लिए हरियाणा ने कैदी वैन भेजी है। क्या हरियाणा के पास कोई ढंग की बस नहीं है? ये युवा अमेरिका में आरोपी हैं हरियाणा में नहीं। मुझे यह देखकर बड़ा दुख हुआ।

पूर्व सीएम केजरीवाल के बंगले में रेनोवेशन की जांच होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के 6 फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगले में रेनोवेशन की जांच होगी। सेंट्रल विजिलेंस कमीशन ने 13 फरवरी को जांच के आदेश जारी किए हैं। आदेश सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट की रिपोर्ट सामने आने के बाद दिया। रिपोर्ट में कहा गया कि 40 हजार वर्ग गज (8 एकड़) में बने बंगले के निर्माण में कई नियमों को तोड़ा गया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने आरोप लगाया था कि बंगले के रेनोवेशन में 45 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए गए हैं। भाजपा ने बंगले को केजरीवाल का शीशमहल नाम दिया है। केजरीवाल यहां 2015 से 2024 तक रहे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उप-राज्यपाल वीके सक्सेना से शिकायत की थी कि केजरीवाल का बंगला 4 सरकारी संपत्तियों को गलत तरीके से मिलाकर बनाया गया है। इस प्रोसेस को रद्द कर दिया जाना चाहिए। भाजपा का मुख्यमंत्री शपथ के बाद इस बंगले में नहीं रहेगा। 9 दिसंबर 2024 को भाजपा ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें दिल्ली के सीएम हाउस का आलीशान इंटीरियर दिखाया गया। भाजपा ने केजरीवाल पर तंज कसा, %वे कहते थे कि सरकारी घर नहीं लूंगा, लेकिन रहने के लिए 7 स्टार रिसॉर्ट बना डाला।% दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मांग की है कि केजरीवाल को दिल्ली के लोगों को बताना चाहिए

कि उन्होंने किस अधिकार से अपने बंगले की सजावट पर करीब 45 करोड़ रुपए खर्च कर दिए। ये वो समय था जब कोविड में जनता के विकास कार्य बंद थे।

हरियाणा के सभी मेडिकल कॉलेजों की आंसर शीट जांची जाएंगी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में एमबीबीएस एग्जाम घोटाले के बाद अब सभी सरकारी और प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की आंसर शीट चेक होंगी। इसके लिए पांच सालों का रिकॉर्ड तलब कर लिया गया है। पंडित बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय रोहतक (।स्रक) के अधिकारियों ने पिछले पांच वर्षों में राज्य भर के सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में आयोजित सभी एनुअल और सप्लीमेंट्री एग्जाम की आंसर शीट की गहन जांच करने का निर्णय लिया है। इस पहल का उद्देश्य आंसर शीट के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ या परीक्षा प्रक्रिया में हुई किसी भी तरह की गड़बड़ी को उजागर करना है।

इसकी जांच के लिए पीजीआईएमएस के चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुंदन मित्तल के नेतृत्व में 3 मेंबरी कमेटी का गठन किया गया है। पीजीआईएमएस में फिजियोलॉजी के प्रोफेसर डॉ सुखदेव चांदला और पीजीआईडीएस, रोहतक में पीडोडोंटिक्स के प्रोफेसर डॉ अरुण कुमार समिति के सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

सूत्रों ने बताया, समिति का गठन यूएचएसआर के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने किया है, जो एमबीबीएस एनुअल या सप्लीमेंट्री एग्जाम घोटाले में शामिल अधिकारियों और छात्रों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करना चाहते हैं।

हरियाणा के एमबीबीएस घोटाले की जांच के लिए करनाल के कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज के निदेशक डॉ. एमके गर्ग की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की गई थी। इस समिति ने अपनी जांच के बाद एमबीबीएस वार्षिक और पूरक परीक्षाओं में घोटाले की पुष्टि की थी।

इस समिति की रिपोर्ट पर ही कार्रवाई की गई है। सूत्रों ने दावा किया कि समिति ने एक निजी कॉलेज में रजिस्टर्ड एमबीबीएस छात्रों की 228 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच करने के बाद ये फैसला लिया था।

बाबर आजम की इस साउथ अफ्रीकी दिग्गज ने की बेइज्जती

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम को अक्सर किसी ना किसी कारण चर्चाओं में रहते हैं। बाबर खराब बल्लेबाजी के कारण अक्सर फैंस के निशाने पर रहते हैं। लेकिन इस बार बाबर को खराब फॉर्म या खराब बल्लेबाजी की वजह से नहीं बल्कि खराब इंग्लिश के कारण ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। दरअसल, बाबर की बेईज्जती किसी फैन ने नहीं बल्कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज हर्षिल गिब्स ने की है। गिब्स ने बाबर आजम की खराब इंग्लिश का मजाक बनाया। उन्होंने कहा कि, बाबर की इंग्लिश अच्छी नहीं है इसलिए उन्हें बताना या समझाना मुश्किल होगा। बता दें कि, हर्षस गिब्स ने 13 फरवरी को पाकिस्तान की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ट्राई सीरीज में जीत के बाद एक्स पर पोस्ट साझा की। पोस्ट में उन्होंने पाकिस्तान के जरिए किए गए शानदार चेज की तारीफ की, इसी पोस्ट पर एक यूजर ने गिब्स से कहा कि वह बाबर आजम को कुछ टिप्स दें। यूजर ने लिखा कि, हे गिब्स, बाबर आजम को कुछ टिप्स देना कैसा रहेगा जैसा आपने 2021/2022 में कराची किंग्स के साथ पीएसएल के दौरान किया था? मुझे लगता है कि वो इस बारे में आप से इनकार नहीं करेंगे। इस पर गिब्स लिखते हैं कि बाबर के साथ भाषा का दिक्कत है। जैसा कि आप जानते हैं कि उनकी इंग्लिश अच्छी नहीं है इसलिए उन्हें पॉइंट्स बताना मुश्किल होगा।

भारत में कई भाषाओं में होगा चैंपियंस ट्रॉफी का प्रसारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 शुरू होने में चंद ही दिन शेष हैं। अब टूर्नामेंट की शुरुआत में एक हफ्ते से भी कम का वक्त बाकी रह गया है। टूर्नामेंट पाकिस्तान की मेजबानी में खेला जाएगा लेकिन रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगी। रोहित ब्रिगेड टूर्नामेंट के लिए दुबई रवाना हो चुकी है। भारत में चैंपियंस ट्रॉफी का लाइव प्रसारण कुल 9 भाषाओं में होगा।

आईसीसी की तरफ से आधिकारिक तौर पर बताया गया है कि भारत में जियोस्टार के जरिए चैंपियंस ट्रॉफी की लाइव स्ट्रीमिंग होगी। लाइव स्ट्रीमिंग कुल 9 भाषाओं में होगी। इन 9 भाषाओं में हिन्दी और अंग्रेजी के अलावा मराठी, हरियाणवी, बंगाली, भोजपुरी, तमिल, तेलुगु और कन्नड शामिल है। इसके अलावा फैंस मल्टी कैम फीड का आनंद भी ले सकेंगे। वहीं टीवी पर लाइव प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स और नेटवर्क 18 के जरिए होगा। टीवी पर इंग्लिश के अलावा हिन्दी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषा भी मौजूद होगी। बता दें कि, 19 फरवरी से चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत हो रही है। इस टूर्नामेंट में 12 ग्रुप स्टेज के मुकाबले होंगे। इसके अलावा दो सेमीफाइनल और एक फाइनल मैच होगा। टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-ए में भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेस को रखा गया है। इसके अलावा ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान को रखा गया है। टूर्नामेंट का पहला मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा।

जो कराची के नेशनल स्टेडियम में होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए दुबई रवाना हुई टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज 19 फरवरी से होने जा रहा है। ये टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल के आधार पर खेला जाएगा। इंडिया अपने सभी मुकाबले हाइब्रिड मॉडल के तहत यूएई में खेलेगी, वहीं लीग स्टेज के अन्य सभी मुकाबले पाकिस्तान में खेले जाएंगे। भारतीय टीम का पहला बैच इस आईसीसी टूर्नामेंट के लिए शनिवार, 15 फरवरी को रवाना होग गया है। इस बैच में कप्तान रोहित शर्मा के अलावा कोच गौतम गंभीर और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली नजर आए। हालांकि, रोहित मुंबई एयरपोर्ट अपनी पर्सनल कार से पहुंचे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद बीसीसीआई ने भारतीय खिलाड़ियों के लिए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए थे, जिसमें एक नियम ये था कि सभी खिलाड़ियों को एक साथ टीम बस में ट्रैवल करना था। लेकिन रोहित के मुंबई एयरपोर्ट पर्सनल कार से पहुंचने पर फैंस सवाल उठा रहे हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया अपने अभियान का आगाज 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगी, वहीं चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से उनका मुकाबला 23 फरवरी को होगा। लीग स्टेज का आखिरी मैच टीम इंडिया 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बीसीसीआई फाइनल स्क्वॉड का ऐलान कर चुका है। जसप्रीत बुमराह चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह हर्षित राणा को स्क्वॉड में शामिल किया गया है। वहीं एंड मूमेंट पर यशस्वी जायसवाल की जगह वरुण चक्रवर्ती को अंतिम 15 खिलाड़ियों में जगह मिली है।

विजय अभियान जारी रखने उतरेंगे दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने पहले मैच में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करने वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में सोमवार को यहां जब आमने-सामने होंगे तो उनका लक्ष्य अपना विजय अभियान जारी रखना होगा। मौजूदा चैंपियन आरसीबी ने टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में गुजरात जायंट्स को छह विकेट से हराया जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अंतिम गेंद पर जीत दर्ज की। अच्छी शुरुआत से दोनों टीम का मनोबल बढ़ा होगा लेकिन आरसीबी की टीम विशेषकर बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अधिक संतुलित नजर आ रही है और इसलिए वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी।

आरसीबी की बल्लेबाजी इकाई की मजबूती का पता इससे चलता है कि उसने 200 से अधिक रन के लक्ष्य को बड़ी आसानी से हासिल किया। स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली टीम अपना यह प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगी। आरसीबी को राघवी बिष्ट और कनिका आहूजा जैसी युवा खिलाड़ियों के कारण मजबूती मिली है जो मंधाना, एलिसे पेरी, ऋचा घोष और डैनी व्याट के साथ सहजता से घुल-मिल गई हैं। राघवी और कनिका ने पहले मैच में जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आरसीबी के गेंदबाजों को हालांकि कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी। गेंदबाजी ने उसे पेरी की कमी महसूस हो रही है।

ऑस्ट्रेलिया की यह स्टार ऑलराउंडर चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में गेंदबाजी नहीं कर पाएंगी। दिल्ली की बल्लेबाजी बेहद मजबूत है और आरसीबी के गेंदबाजों को उन पर लगाम लगाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली की बल्लेबाजी इकाई में कप्तान मेग लैनिंग, एनाबेल सदरलैंड, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, एलिस कैप्सी और सारा ब्राइस जैसी धुरंधर बल्लेबाज हैं जो किसी भी तरह के आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकती हैं। तेज गेंदबाज शिखा पांडे की अगुवाई वाली दिल्ली की गेंदबाजी इकाई ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को 164 रन पर रोककर अच्छा प्रदर्शन किया था जिसे वह जारी रखने की कोशिश करेंगे।

टीम इस प्रकार हैं- दिल्ली कैपिटल्स- मेग लैनिंग (कप्तान), एलिस कैप्सी, सारा ब्राइस, एनाबेल सदरलैंड, मिन्नू मणि, शैफाली वर्मा, अरुंधति रेड्डी, एन चरानी, शिखा पांडे, जेमिमा रोड्रिग्स, नंदिनी कश्यप, स्नेहा दीप्ति, जेस जोनासेन, निकी प्रसाद, तानिया भाटिया, मारिज़ेन कैप, राधा यादव, टिटास साधु।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- स्मृति मंधाना (कप्तान), नुजहत परवीन, जोशिता वीजे, ऋचा घोष, डैनी व्याट, कनिका आहूजा, सब्बीनेनी मेघना, एकता बिष्ट, किम गर्थ, श्रेयंका पाटिल, एलिसे पेरी, प्रेमा रावत, जॉर्जिया वेयरहैम, राघवी बिस्ट, हीथर ग्राहम, जाग्रवी पवार, रेणुका सिंह, चार्ली डीन। मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा ने कहा, प्रो लीग हमारे लिए बहुत बड़ा मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत शनिवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ करेगी। इसके बाद वह रविवार को फिर से इंग्लैंड का सामना करेगी। भारतीय टीम 18 और 19 फरवरी को स्पेन से खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम 21 और 22 फरवरी को जर्मनी तथा 24 और 25 फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगी।

सलीमा ने पहले मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''हम अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करेंगे। कुछ खिलाड़ी हैं जो ओलंपिक के बाद अपने पहले प्रो लीग मैच में खेलेंगे।'' उन्होंने कहा, 'जीत और हार खेल का हिस्सा है लेकिन सबसे महत्वपूर्ण अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। यह हमारे लिए बहुत बड़ा मौका है लेकिन हम परिणाम के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे और हमारा ध्यान प्रत्येक मैच पर है।''

सलीमा ने कहा कि पिछले साल अप्रैल में टीम से जुड़ने वाले मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने टीम पर व्यापक प्रभाव छोड़ा है। उन्होंने कहा,''टीम संस्कृति और खिलाड़ियों के बीच आपसी संबंधों में मजबूती आई है।अगर टीम की संस्कृति अच्छी होती है तो उसका असर मैदान पर भी दिखता है। हमारे अपने कोच के साथ अच्छे संबंध हैं।'' सलीमा ने कहा,''भारतीय होने के कारण हरेंद्र सर के साथ काम करना आसान हो जाता है। प्रत्येक खिलाड़ी समझता है किवह क्या कहना चाहते हैं। संवाद कोई समस्या नहीं है। अगर हम किसी चीज से सहमत नहींहों तो हम हरेंद्र सर से कहते हैं और वह हमारी बात पूरे धैर्य के साथ सुनते हैं। हम उन तक अपनी बात पहुंचा सकते हैं और वह हमें अच्छी तरह से समझा सकते हैं।

पदक जीतने वाले राज्य के प्लेयर्स को देगी नकद पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा सरकार ने उत्तराखंड में रविवार को संपन्न हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में राज्य के पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की है। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में ओडिशा के खिलाड़ियों ने 14 गोल्ड, 15 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज सहित कुल 46 मेडल जीते। राज्य ने पदक तालिका में 12वां स्थान हासिल किया। राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओडिशा सरकार ने गोल्ड मेडलिस्टों के लिए 6 लाख रुपये, सिल्वर मेडलिस्ट के लिए 4 लाख रुपये और कांस्य पदक विजेताओं के लिए तीन लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। ओडिशा के खेल मंत्री सूर्यबंशी सूरज ने कहा कि, ओडिशा ने राष्ट्रीय खेलों में अपनी छाप छोड़ी है और वह पदक तालिका में टॉप 15 राज्यों में शामिल रहा। 14 गोल्ड सहित 46 पदक जीतना एक अहम उपलब्धि है। मैं सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देता हूं। सेना के कुल 121 यानी 68 गोल्ड, 26 सिल्वर और 27 ब्रॉन्ज मेडल हो गए हैं। गोवा में 2023 राष्ट्रीय खेलों में वह महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान पर थे। इससे पहले लगातार चार राष्ट्रीय खेलों में टॉप पर रहे थे। महाराष्ट्र ने 198 मेडल जीते लेकिन 54 गोल्ड, 71 सिल्वर और 73 ब्रॉन्ज थे। हरियाणा के 153 पदकों में 48 गोल्ड, 47 सिल्वर और 58 ब्रॉन्ज थे। उत्तराखंड के बाद अब अगले राष्ट्रीय खेलों का आयोजन 2027 में होगा जिसकी मेजबानी मेघालय करेगा। साल 2027 में मेजबानी करने वाले पूर्वोत्तर के इस राज्य के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा को गृहमंत्री अमित शाह ने 39वें नेशनल गेम्स का ध्वज सौंपा। इस मौके पर गृहमंत्री ने ये भी घोषणा कि खेल को बढ़ावा देने के लिए मेघालय के सात ही पूर्वोत्तर के अन्य 6 राज्यों में भी नेशनल गेम की प्रतियोगिताएं होंगी।

इंग्लैंड खिलाड़ी बेन डकेट का बयान, कहा- चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत को फाइनल में हराएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में इंग्लैंड टीम भारत दौरे पर आई थी जहां दोनों टीमों के बीच पहले पांच मैचों की टी20 सीरीज खेले गई वहीं बाद में 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली गई। इन दोनों सीरीज को भारत ने अपने नाम किया और इंग्लैंड टीम को खाली हाथ रहना पड़ा। इंग्लिश टीम के इस खराब प्रदर्शन पर टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने निराशा व्यक्त की। इसके अलावा अश्विन ने इंग्लैंड के ओपनर बल्लेबाज बेन डकेट के चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को हराने वाले बयान पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात पर बात करते हुए अश्विन ने कहा कि, इंग्लैंड की इतनी टैलेंटेड टीम को इस तरह का प्रदर्शन करते देखना निराशाजनक और दुखद था। इसके अलावा अश्विन ने भारोसा जताया है कि इंग्लिश टीम चैंपियंस ट्रॉफी में वापसी करेगी। अश्विन ने कहा कि, ऐसा नहीं है कि उनमें काबिलियत नहीं है। मैं अपनी बात सामने रख रहा हूं और फिर से कहूंगा कि ये इंग्लैंड की टॉप लेवल टीम है, लेकिन उन्होंने भारत के खिलाफ इस वनडे सीरीज को बहुत हल्के में लिया है। बता दें कि, वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला हारने के बाद इंग्लैंड के बेन डकेट ने कहा था कि, अगर हम भारत के खिलाफ 3-0 से हार जाते हैं, तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा जब तक हम उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में हराते हैं। डकेट के इस बयान पर रिएक्शन देते हुए अश्विन ने कहा कि, फर्क नहीं पड़ता कि बेन डकेट ने क्या कहा, लेकिन इस सीरीज की हार उनके आत्मविश्वास में बड़ा डेंट डालेगी।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले आईसीसी ने जारी की नई वनडे रैंकिंग लिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले मौजूदा समय में कई टीमें वनडे सीरीज खेल रही हैं। हाल ही में पाकिस्तान में ट्राई नेशन सीरीज खत्म हुई, जो पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच खेली गई।

इसके अलावा भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज और ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच दो मैचों की वनडे सीरीज खेली गई। वहीं अब आईसीसी ने टीम वनडे रैंकिंग जारी की है, जिसमें पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। वहीं भारत का दबदबा बरकरार है। आईसीसी की ओर से जारी ताजा वनडे रैंकिंग में पाकिस्तान की टीम एक पायदान नीचे खिसक गई है। 13 फरवरी तक पाकिस्तान की टीम दूसरे नंबर पर थी, लेकिन उसे ट्राई नेशन सीरीज का फाइनल हारने का खामियाजा भुगतना पड़ा। पाकिस्तान की रेटिंग 107 हो गई है और अब वह तीसरे पायदान पर आ गई है।

दूसरी तरफ, न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को हराकर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। उनकी रेटिंग 100 से बढ़कर 105 हो गए हैं, और टीम चौथे नंबर पर बनी हुई है। वहीं ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका से 0-2 से हारने के बावजूद फायदा हुआ, पाकिस्तान के नीचे खिसकने से ऑस्ट्रेलिया को सीधा फायदा मिला, और अब वह 110 रेटिंग के साथ दूसरे पोजीशन पर पहुंच गया है।

वनडे क्रिकेट में भारतीय टीम का दबदबा बना हुआ है। आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में टीम इंडिया 119 रेटिंग के साथ टॉप पर बनी हुई है। हाल ही में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज 3-0 से अपने नाम की।

गुजरात जायंट्स को वापसी करने के लिए फील्डिंग पर देना होगा ध्यान

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) पहले मैच में करारी हार झेलने के बाद गुजरात जायंट्स को अगर अपने अगले मैच में वापसी करनी है तो उसे यूपी वारियर्स के खिलाफ रविवार को वडोदरा होने वाले मैच में उसे गेंदबाजी और फील्डिंग में सुधार करना होगा। पिछले मैच में गुजरात जायंट्स के बल्लेबाजों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सामने 202 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा था लेकिन उसके गेंदबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए और उसकी फील्डिंग भी अच्छी नहीं रही। टीम की तनुजा कंवर ने भी एलिस पेरी का कैच टपका दिया था जब वह दो रन पर बल्लेबाजी कर रही थीं। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने भी इसका पूरा फायदा उठाया और 34 गेंदों में 57 रन बनाकर बेंगलुरु की जीत में अहम भूमिका निभाई। गुजरात जायंट्स के लिए उसके बल्लेबाजों का प्रदर्शन राहत की बात रही। उसकी तरफ से पूर्व कप्तान बेथ मूनी (56) और एशले गार्डनर (नाबाद 79) ने अर्धशतक लगाए। डब्ल्यूपीएल के तीसरे सीजन में यूपी वारियर्स एक नई कप्तान, भारत की दीप्ति शर्मा के नेतृत्व में मैदान पर उतरेगी क्योंकि टीम की नियमित कप्तान एलिसा हीली ने लगातार चोटों के कारण प्रतियोगिता से बाहर होने का विकल्प चुना है। दीप्ति सभी प्रारूपों में भारतीय टीम का अहम अंग हैं लेकिन इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने कभी भारत की कप्तानी नहीं की है। इस सत्र में यूपी वॉरियर्स का सबसे मजबूत पक्ष उसका स्पिन आक्रमण माना जा रहा है। उसके पास अनुभवी स्पिनर दीप्ति के अलावा इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन जैसी धुरंधर स्पिनर भी है। इसके अलावा पिछले साल पांच टीमों की लीग में चौथे स्थान पर रहने वाली टीम ने ऑस्ट्रेलिया की अलाना किंग को भी अपनी टीम में शामिल किया है। वारियर्स के पास राजेश्वरी गायकवाड़ और गौहर सुल्ताना के रूप में अच्छी स्पिनर है। चमारी अटापट्टू और ग्रेस हैरिस उसके स्पिन आक्रमण में अन्य विकल्प हैं।

कमिश्नर और आईजी ने रेल्वे स्टेशन का निरीक्षण कर जांची व्यवस्थायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद और आईजी रीवा साकेत प्रकाश पाण्डेय ने सतना रेल्वे स्टेशन का निरीक्षण कर यात्रियों की सुरक्षा और सुरक्षित आवागमन के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने रेल्वे और जिला प्रशासन के अधिकारियों से रेल्वे स्टेशन में चर्चा कर सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की। अधिकारी द्वय ने रेल यात्रियों और महाकुंभ में स्नान के लिए प्रयागराज जा रहे श्रद्धालुओं और तीर्थ यात्रियों से प्लेटफार्म पर चर्चा कर व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवेश सिंह बघेल, एसडीएम राहुल सिलाडिया, सीएसपी महेन्द्र सिंह, सिविल सर्जन मनोज शुक्ला भी उपस्थित रहे।

कमिश्नर श्री जामोद ने कहा कि हावडा-मुंबई रेल्वे ट्रैक पर सतना-प्रयागराज जाने के लिए विंध्य क्षेत्र का प्रमुख और बडा स्टेशन है। राज्य शासन के निर्देशानुसार हाइवे और रेल्वे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले लाखों की तादाद में श्रद्धालुओं और यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किये गये हैं। महाकुंभ में प्रयागराज जाने वाले देश के विभिन्न प्रांतों से श्रद्धालुजन और तीर्थ यात्री राजमार्ग पर वाहनों के यातायात के दबाब के चलते रेल यात्रा का भी बहुतायत माध्यम उपयोग कर रहे हैं। सभी रेल्वे स्टेशनों पर जिला प्रशासन और रेल्वे के अधिकारियों के समन्वय के साथ यात्रियों की सुरक्षा और आवश्यक सुविधायें तथा आवागमन के सुचारू प्रबंध किये गये हैं। आईजी रीवा साकेत प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ होकर आने वाले श्रद्धालु और तीर्थयात्री स्नान दर्शन के बाद चित्रकूट और मैहर में मां शारदा के दर्शन के लिए आ रहे हैं। सतना जिले के चित्रकूट और मैहर जिले के मां शारदा मंदिर में श्रद्धालुओं और तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा, सुरक्षित आवागमन तथा प्रसाधन सहित आवश्यक सुविधाओं के चाक-चौबंद प्रबंध किये गये हैं।

रेलवे स्टेशन पर कुंभ यात्रियों की भीड़, प्रशासन अलर्ट

रीवा-आनंद विहार ट्रेन रद्द, कमिश्नर-डीआईजी ने व्यवस्था का जायजा लिया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रयागराज कुंभ मेले के लिए सतना रेलवे स्टेशन पर उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रविवार को रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद और डीआईजी साकेत प्रकाश पांडेय ने स्टेशन का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

शनिवार को स्टेशन पर 8 हजार से अधिक यात्रियों के जमा होने और ट्रेन आने पर भगदड़ जैसी स्थिति के बाद प्रशासन अलर्ट हो गया है। कमिश्नर ने रेलवे अधिकारियों के साथ प्लेटफॉर्म 1 और 2 का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं को और मजबूत करने का आश्वासन दिया। डीआईजी ने बताया कि पुलिस बल की कोई कमी नहीं है और चित्रकूट, मैहर और सतना जंक्शन पर आरपीएफ और जीआरपी के साथ समन्वय बनाकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

रीवा-आनंद विहार ट्रेन रद्द: भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रविवार को रीवा-आनंद विहार ट्रेन को रद्द कर दिया गया। प्रशासन के अनुसार, प्रयागराज जाने वाली कुंभ स्पेशल ट्रेनें पहले से ही यात्रियों से भरी होती हैं, और रीवा से आने वाली ट्रेन को खाली समझकर यात्री उसमें चढ़ने के लिए टूट पड़ते हैं, जिससे अराजकता की स्थिति पैदा होती है।

इस दौरान कलेक्टर, एसपी, स्टेशन प्रबंधक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशासन ने यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

बागेश्वर धाम में बनेगा देश का पहला मंदिर-अस्पताल

23 फरवरी को पीएम मोदी कैंसर रिसर्च सेंटर का शिलान्यास करेंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। 23 फरवरी को बागेश्वर धाम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैंसर रिसर्च सेंटर का शिलान्यास करेंगे। अस्पताल बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगा। भारत में पहली बार किसी मंदिर परिसर में अस्पताल का निर्माण किया जाएगा। यह जानकारी पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने सतना जिले के शिवराजपुर में आयोजित एक रुद्र महायज्ञ में दी है।

पंडित शास्त्री ने कहा बागेश्वर धाम में 22 से 26 फरवरी तक विशेष धार्मिक उत्सव होने जा रहा है। हिंदू राष्ट्र से जुड़े मीडिया के सवाल पर बोले कि पहले कट्टर हिंदू बनना चाहिए, बाकी सब अपने आप ठीक हो जाएगा। रुद्र महायज्ञ के आयोजक उद्योगपति रुद्र त्रिपाठी तारीफ में बागेश्वर पीठाधीश्वर ने कहा वे अपनी कमाई से अध्यात्म और सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं।

महाकुंभ जा रहीं तीन गाड़ियां आपस में टकराईं

चेन टक्कर में नागपुर के 5 यात्री घायल, हाईवे पर लगा लंबा जाम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्य प्रदेश के मैहर में रविवार दोपहर 1:35 बजे महाकुंभ प्रयागराज जा रहे यात्रियों से भरी तीन गाड़ियों की चेन टक्कर में 5 लोग घायल हो गए। खेरवासानी टोल प्लाजा के पास एनएच-30 पर यह हादसा तब हुआ जब आगे चल रही तूफान गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगा दिया। इसके चलते पीछे से आ रही एसयूवी कार (एमएच24 बीआर 2357) उससे टकरा गई और फिर एसयूवी के पीछे से आ रही बस (जीजें 14 डब्ल्यू 0399) ने भी टक्कर मार दी।

हादसे में नागपुर, महाराष्ट्र के पांच यात्री घायल हुए, जिनमें विनोद (31), चंद्रकांत (29), श्रीकांत (44), अनुपमा (52) और रवि (31) शामिल हैं। सभी घायलों को टोल प्लाजा की एम्बुलेंस से मैहर सिविल अस्पताल पहुंचाया गया।

क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाया: दुर्घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया। पुलिस और प्रशासन की टीम ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सुचारू किया। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

कांग्रेस के यूथ प्रदेश अध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एक सामान्य यात्रा के दौरान रीवा से सतना पहुंचे यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द सिंह यादव का रविवार को सोहावल तिराहे के पास यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव देवांस सिंह कान्हा परसवारा के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला इकाई के सैकड़ो यूथ कांग्रेस समर्थक मौजूद रहे ।स्वागत समारोह के तत्पश्चात यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव देवांस सिंह कान्हा परसवारा द्वाराश्री यादव को प्रतीक के तौर पर तलवार भेंट की गई।

यादव ने बताया कि यह यात्रा सामान्य रूप से सौजन्य भेंट है अपने युवा कार्यकर्ताओं से मिलकर आगामी दिनों में सरकार के खिलाफ घेराबंदी की जानी है यह बड़ा कार्यक्रम होगा इसी परिपेक्ष में युवाओं से चर्चा की गई है। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह गुड्डू परसवारा के अलावा सुखेंद्र सिंह ,शांतनु सिंह, अमित अवस्थी शन्नू पार्षद ,विज्ञान सिंह, तरुणेन्द्र सिंह ,कृष्णम सिंह ,डब्बू सिंह भटिगवां, लकी सिंह ,शिबू सिंह सरपंच संघ अध्यक्ष, शिवेंद्र सिंह शिबू ,चंदन सिंह कोनी ,नीरज सिंह भाद मिन्ना कोल, देवराज बागरी, लाला ढीमर समेत सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टोल प्लाजा ठेकेदार पर हमला

चलती कार पर फायरिंग, टायर में लगी गोल, पुरानी रंजिश का मामला

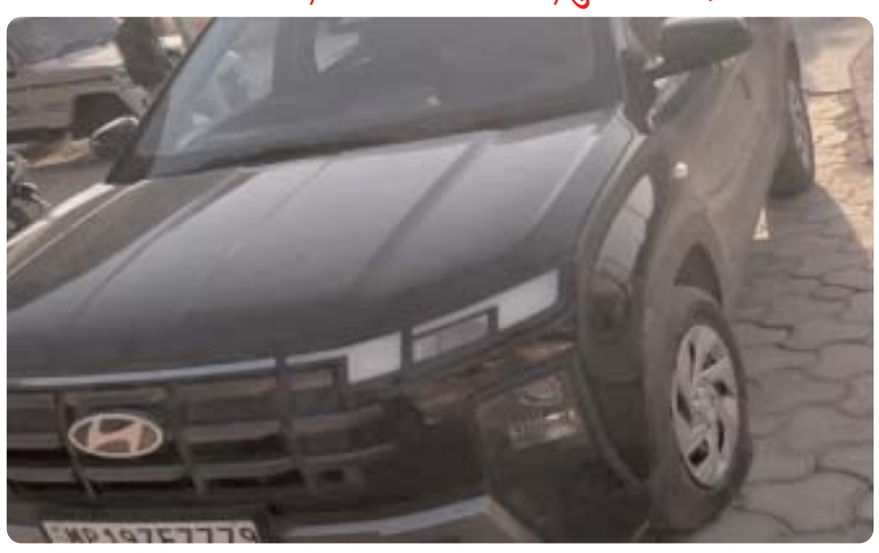

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पन्ना रोड पर मौहार टोल प्लाजा के ठेकेदार अमन सिंह और उनके साथियों पर रविवार शाम को जानलेवा हमला हुआ। बदमाशों ने चलती कार पर फायरिंग की। गोली कार की टायर में लगी। कार सवार सभी सुरक्षित हैं।

घटना के समय कार में अमन सिंह के साथ उनके चार दोस्त शांतनु सिंह बघेल, अर्पित सिंह, आदर्श सिंह और मृगेंद्र सिंह मौजूद थे। सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि सड़क की दूसरी तरफ से गोली चलाई गई, जिससे कार को रोंग साइड पर ले जाना पड़ा। गोली कार के अगले टायर में जा लगी।

पुरानी रंजिश के चलते हमले की आशंका: सिविल लाइन थाने के टीआई योगेंद्र सिंह के अनुसार, यह मामला पुरानी रंजिश का प्रतीत हो रहा है। पीड़ित पक्ष ने पतेरी निवासी सिद्धार्थ सिंह उर्फ सिद्धू पर गोली चलाने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, कुछ महीने पहले दोनों पक्षों के बीच टोल प्लाजा पर मारपीट की घटना हुई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर निकाली जाएगी शोभायात्रा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। 19 फरवरी को हिन्दू हृदय सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई जाती है। जयंती के इस अवसर पर पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर उनकी वीरता और शौर्य गाथा को याद किया जाता है। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर हर वर्ष सतना में भी भव्य शोभायात्रा का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 19 फरवरी को सर्वसमाज के तत्वाधान में छत्रपति शिवाजी महाराज शोभायात्रा आयोजन समिति द्वारा भव्य एवं ऐतिहासिक शोभायात्रा का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्यवक्ता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत कार्यवाह उत्तम बनर्जी होगें।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला के मुख्य अतिथ्य, सतना सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता एवं प्रदेश सरकार की मंत्री प्रतिमा बागरी, सतना के महापौर योगेश ताम्रकार, हिन्दू पर्व समन्वयक समिति के अध्यक्ष मणिकांत माहेश्वरी, पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी सहित कई गणमान्य नागरिकों के विशिष्टि अतिथ्य आयोजित होने वाली यह शोभायात्रा दोपहर 2 बजे टाऊनहाल से प्रारंभ होगी जो अम्बेडकर चौक, कृष्णनगर चौक, पशुचिकित्सालय, कवर राम टॉकीज, अस्पताल चौक, पन्नीलाल चौक, चौक बाजार, बिहारी चौक, जयस्तंभ चौक से होते हुए सुभाष पार्क तक जायेगी।

शोभायात्रा में विभिन्न धार्मिक संगठनों, सामाजिक संगठनों, व्यावसायिक, स्वयं सेवी संस्थाओं, पत्रकार बंधुओं, महाविद्यालयीन छात्र/छात्राओं सहित विभिन्न संगठनों के लोग सम्मिलित होगें। हमें म.प्र. कुर्मी क्षत्रिय समाज सहित विभिन्न संगठनों का समर्थन प्राप्त है जिनमें प्रमुख रूप से हिंदू पर्व समन्वय समिति, हिंदू उत्सव समिति, अय्यप्पा सेवा समिति, जय गुरुदेव सेवा समिति, गायत्री परिवार, भारत स्वाभिमान, क्लाथ मर्चेंट एसोसियेशन, विंध्य चेम्बर ऑफ कामर्स, सतना चेंबर ऑफ कामर्स, साहू समाज, विप्र समाज, रॉयल राजपूत संगठन, वैश्य समाज, चौरसिया समाज, कोल समाज, गौड़ समाज, चौधरी समाज, बुनकर समाज, प्रजापति समाज, ढीमर समाज, बसोर समाज, बारी समाज, दहिया समाज, वाल्मीकि समाज, खटीक समाज, केवट समाज, रजक समाज, यादव समाज, पाल समाज, जयसवाल समाज, सोनी समाज, सेन समाज, ताम्रकार समाज, नामदेव समाज, विश्वकर्मा समाज, चौरसिया समाज, कुशवाहा समाज, माली समाज, अग्रवाल समाज, जैन समाज, सिंधी समाज, पंजाबी समाज, बंगाली समाज, गुजराती समाज, मारवाड़ी समाज, अय्यप्पा समाज व माझी समाज के लोग शामिल होंगे।

महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी के नगर आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी तीर्थराज प्रयाग में चल रहे महाकुंभ मेले में एक माह के कल्पवास के बाद 15 फरवरी शनिवार को शाम सतना नगर आगमन हुआ स्वामी जी के नगर आगमन पर समाज द्वारा ऐतिहासिक स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है तीर्थराज प्रयाग में संतधाम आश्रम द्वारा महाकुंभ मेला में पंडाल लगाकर प्रयाग की भूमि पर 13 जनवरी से 13 फरवरी तक प्रतिदिन हवन यज्ञ भंडारा साधु संतों की सेवा भाव का कार्य निरंतर किया गया एवं गुरु जी के सानिध्य में हजारों भक्तों ने प्रयाग पहुंचकर पवित्र त्रिवेणी में डुबकी लगाकर संत समाज का आशीर्वाद प्राप्त किया इस ऐतिहासिक महाकुंभ 2025 को सदियों तक याद किया जाएगा। आश्रम के सेवादारी विनोद गेलानी ने जानकारी देते हुए बताया स्वामी जी के नगर आगमन पर सर्व समाज समाजसेवियो आश्रम के सेवादारीयो एवं मातृशक्ति व युवाओं ने फूलवर्षा एवं फूलमाला पहनाकर स्वामी जी का ऐतिहासिक स्वागत किया। संतधाम प्रवेश पर मातृशक्ति द्वारा बनाई गई रंगोली एवं दीपों की जगमग रोशनी आकर्षण का केंद्र रही।

एमपीपीएससी प्री एग्जाम में कड़ी सुरक्षा

6 केंद्रों पर 2714 अभ्यर्थियों की जांच, जूते-चप्पल और गहने उतरवाए

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में रविवार को एमपीपीएससी 2025 प्री एग्जाम कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आयोजित किया गया। शहर के 6 परीक्षा केंद्रों में कुल 2714 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा की निगरानी के लिए पूर्व आईएएस अधिकारी अरुण पांडेय को ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया, जो पहले से ही सतना पहुंच चुके थे।

परीक्षा दो पालियों में आयोजित हो रही है, पहली पाली सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:15 से 4:15 बजे तक। सभी परीक्षा केंद्रों पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की गई थी। अभ्यर्थियों की सुबह 9 बजे से ही केंद्रों पर लाइन लग गई थी।

परीक्षा केंद्रों में शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल घूरडांग, व्यंकट स्कूल क्रमांक 1 और 2, महारानी लक्ष्मी बाई गर्ल्स स्कूल, शासकीय गर्ल्स कॉलेज और राजीव गांधी कम्प्यूटर कॉलेज शामिल थे।

प्रवेश से पहले जूते-चप्पल उतारने पड़े: सुरक्षा व्यवस्था इतनी कड़ी थी कि परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में प्रवेश से पहले जूते-चप्पल उतारने पड़े। महिला अभ्यर्थियों को गले में लॉकेट पहनने की भी अनुमति नहीं दी गई। प्रत्येक अभ्यर्थी की सघन जांच के बाद ही उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा में 84 फीसदी अभ्यर्थी रहे उपस्थित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। म.प्र. लोक सेवा आयोग इन्दौर द्वारा आयोजित म.प्र. राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 रविवार को सतना जिले के 6 परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। प्रारंभिक परीक्षा में सतना जिले के 6 परीक्षा केन्द्रों पर 2714 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। जिनमें से प्रथम सत्र में 2277 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 437 अनुपस्थित रहे। पहली पारी में उपस्थिति का प्रतिशत 83.90 रहा। द्वितीय सत्र में आयोजित परीक्षा में 2714 पंजीकृत अभ्यर्थियों के विरूद्ध 2262 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 452 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस सत्र में 83.35 प्रतिशत उपस्थित रही। सतना में शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई स्कूल, शासकीय एक्सीलेंस वेंकट क्रमांक-1, शासकीय एक्सीलेंस वेंकट क्रमांक-2, शासकीय हाईस्कूल घूरडांग, राजीव गांधी कालेज सेमरिया चौक और शासकीय गर्ल्स पीजी कालेज सतना को परीक्षा केन्द्र बनाया गया।

ज्ञानस्थली विद्यालय के 55 खिलाड़ियों ने उत्तीर्ण की कलर बेल्ट परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजू वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि ज्ञानस्थली विद्यालय रीवा में कलर बेल्ट परीक्षा का आयोजन किया गया जिसमें रीवा जिले के करीब 55 खिलाड़ियों ने भाग लिया सभी खिलाड़ियों ने यलो बेल्ट ग्रीन बेल्ट ग्रीन फर्स्ट बेल्ट की परीक्षा उत्तीर्ण की इस अवसर पर निर्णायक एवं एग्जामिनर की भूमिका में विंध्य ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजू वर्मा उपस्थित रहे । खिलाड़ियों की उपलब्धि पर विद्यालय के डायरेक्टर प्रणव सिंह ने खिलाड़ियों को बधाई दी एवं विद्यालय की प्राचार्य सलोनी बत्रा एवं उप प्राचार्या कल्पना सिंह ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की है इस अवसर पर विद्यालय के व्यायाम शिक्षक राजकुमार साहू करण सेन ताइक्वांडो प्रशिक्षक पवन किशोर सुनील कोरी एवं सभी खिलाड़ी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।